राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, मंगलवार, 29 अप्रैल 2025
वर्ष 06, अंक 210, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

विकलांग होते हुए भी खेती, परचून और गौसेवा में मिसाल बने उमाशंकर...03

लोक निर्माण विभाग के अधिकारी की उदासीनता के कारण सिंगला नदी पर आरसीसी पुल का मरम्मत कार्य धीमी गति से चल रहा है....04

भारत-पाकिस्तान में युद्ध हुआ तो कौन जीतेगा? GROK AI का चौंकाने वाला जवाब

स्वतंत्र प्रभात

भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर तनाव चरम पर है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। ऐसे में दोनों देशों के बीच युद्ध की आशंका को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस बीच एआई चैटबॉट GROK AI से पूछा गया कि अगर युद्ध हुआ तो कौन जीतेगा। GROK ने सामरिक ताकत से लेकर परमाणु नीति तक का बारीकी से विश्लेषण करते हुए चौंकाने वाला जवाब दिया है। आइए आसान भाषा में समझते हैं पूरा विश्लेषण। GROK AI के मुताबिक, भारत के पास करीब 14.5 लाख सक्रिय सैनिक हैं। इसके अलावा रिजर्व फोर्स और अर्धसैनिक बल भी बड़ी संख्या में हैं। वहीं पाकिस्तान के पास 6.5 लाख सक्रिय सैनिक हैं। सेना के आकार के मामले में भारत पाकिस्तान से कहीं आगे है। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है जबकि पाकिस्तान 12वें नंबर पर आता है।

रक्षा बजट में भी भारत का पलड़ा भारी

2025 में भारत का रक्षा बजट 58 से 75 अरब डॉलर के बीच है। इतना बड़ा बजट भारत को आधुनिक हथियारों, नई तकनीक और प्रशिक्षण में निवेश करने की ताकत देता है। इसके मुकाबले पाकिस्तान का रक्षा बजट महज 7.6 से 11 अरब डॉलर के बीच है। बजट के लिहाज से भी पाकिस्तान भारत के मुकाबले कहीं पीछे है।

हथियार और तकनीक में भारत आगे

भारत के पास राफेल और सुखोई-30 जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान हैं। इसके अलावा स्वदेशी मिसाइलें जैसे ब्रह्मोस और अग्नि, अर्जुन टैंक और आईएनएस विक्रांत जैसे विमानवाहक पोत भारत की ताकत बढ़ाते हैं। भारत की साइबर और अंतरिक्ष युद्ध क्षमता भी तेजी से बढ़ रही है। वहीं पाकिस्तान के पास जेएफ-17, एफ-16 लड़ाकू विमान, अल-खालिद टैंक और बाबर क्रूज मिसाइलें हैं। हालांकि तकनीक और आधुनिकता में पाकिस्तान भारत से पीछे है।

परमाणु हथियार- किसके पास ज्यादा ताकत?

GROK AI के अनुसार, भारत के पास अनुमानित 150-200 परमाणु हथियार हैं। भारत 'नो फर्स्ट यूज' (पहले हमला नहीं करने) की नीति पर चलता है।

पाकिस्तान के पास भी 165-200 परमाणु हथियार बताए जाते हैं। लेकिन पाकिस्तान की नीति 'फर्स्ट यूज' (पहले हमला करने) की है, यानी खतरे की स्थिति में वह परमाणु हमला कर सकता है। परमाणु युद्ध की स्थिति में दोनों देशों को भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा।

इतिहास में भारत का रहा दबदबा

भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक चार बड़े युद्ध हुए हैं –

1947-48 (प्रथम कश्मीर युद्ध)
1965 (दूसरा कश्मीर युद्ध)
1971 (बांग्लादेश मुक्ति युद्ध)
1999 (कारगिल युद्ध)

हर युद्ध में भारत ने रणनीतिक बढ़त हासिल की है। 1971 में तो भारत ने पाकिस्तान को विभाजित कर बांग्लादेश को स्वतंत्रता दिला दी थी।

परमाणु युद्ध हुआ तो हार किसकी होगी?

GROK AI का विश्लेषण कहता है कि अगर परमाणु युद्ध हुआ तो दोनों देशों को अपार नुकसान होगा। लाखों लोग मारे जाएंगे और आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यावरणीय तबाही होगी। ऐसी स्थिति में कोई भी देश जीत नहीं पाएगा। दोनों देश और पूरा दक्षिण एशिया तबाही के कगार पर पहुंच जाएगा।

चीन का आंतक प्रेम फिर उजागर ! पहलगाम हमले पर बोला- हम हर हाल में पाकिस्तान के साथ

स्वतंत्र प्रभात

चीन ने आंतकवाद पर एक बार फिर अपनी दोहरी नीति को उजागर करते हुए पहलगाम हमले के घावों पर नमक छिड़कते हुए पाकिस्तान के साथ अपने समर्थन को जाहिर किया है। चीन ने एक तरफ अपने आंतकवादी मित्र देश पाकिस्तान की संप्रभुता एवं सुरक्षा हितों की रक्षा करने में उसके प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और दूसरी तरफ दुनिया की नजरों में धूल झोंकने के लिए पहलगाम आतंकवादी हमले की "त्वरित एवं निष्पक्ष जांच" किए जाने का आह्वान किया है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार के साथ रविवार को टेलीफोन पर बातचीत की। उसने अपनी रिपोर्ट में बताया कि डार ने वांग (जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य भी हैं) को "कश्मीर क्षेत्र में आतंकवादी हमले के बाद" पाकिस्तान और भारत के बीच बढ़े तनाव के बारे में जानकारी दी। वांग ने कहा कि चीन इस घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद से मुकाबला करना पूरी दुनिया की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान के प्रयासों के प्रति चीन के निरंतर समर्थन की पुष्टि की। वांग के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, "एक मजबूत मित्र एवं सदाबहार रणनीतिक सहयोगी के रूप में चीन सुरक्षा को लेकर पाकिस्तान की जायज चिंताओं को पूरी तरह समझता है और पाकिस्तान की संप्रभुता एवं सुरक्षा हितों की रक्षा करने में उसका समर्थन करता है।" वांग ने कहा, "चीन एक त्वरित और निष्पक्ष जांच की वकालत करता है और मानता है कि संघर्ष भारत या पाकिस्तान के मौलिक हितों की पूर्ति नहीं करता और न ही यह क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए लाभदायक है।"

उन्होंने कहा कि चीन को उम्मीद है कि दोनों

पक्ष संयम बरतेंगे और तनाव कम करने के लिए मिलकर काम करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, डार ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान ने लगातार एवं दृढ़ता से आतंकवाद का मुकाबला किया है और वह ऐसी किसी भी कार्रवाई के खिलाफ है जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। समाचार एजेंसी के अनुसार, डार ने कहा कि पाकिस्तान स्थिति से परिपक्वता से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है और वह चीन एवं अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ संवाद बनाए रखेगा। चीन ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की 23 अप्रैल को "कड़ी निंदा" की थी। इस हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था, ''हम इस हमले की कड़ी निंदा करते हैं। चीन हर प्रकार के आतंकवाद का पूरी दृढ़ता से विरोध करता है। हम मारे गए लोगों के लिए शोक व्यक्त करते हैं और शोक संतप्त परिवारों एवं घायलों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।" इसके अलावा, भारत में चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने भी हमले की निंदा की थी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा था, "पहलगाम में हुए हमले से स्तब्ध हूं और इसकी निंदा करता हूं।" उन्होंने कहा था, ''मैं पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना और घायलों एवं शोक संतप्त परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करता हूं। हम सभी प्रकार के आतंकवाद का विरोध करते हैं।"

अलीगढ़ के बाद अब इस शहर में बेटी की शादी से ठीक पहले सास दामाद हुए नौ दो ग्यारह...

स्वतंत्र प्रभात

उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। जिले के खोड़ारे थाना क्षेत्र के एक गांव में एक महिला अपनी बेटी की शादी से कुछ दिन पहले अचानक लापता हो गई। हैरानी की बात यह है कि महिला के अपने होने वाले दामाद के साथ भागने की चर्चा पूरे इलाके में जोर पकड़ रही है।

9 मई को होनी थी शादी

जानकारी के अनुसार खोड़ारे क्षेत्र की रहने वाली महिला की बेटी की शादी बस्ती जिले के दुबौलिया थाना क्षेत्र के एक युवक से तय हुई थी। शादी की तारीख 9 मई 2024 रखी गई थी लेकिन शादी से पहले ही महिला अचानक गायब हो गई जिससे परिवार में अफरा-तफरी मच गई।

दामाद से घंटों होती थी बातचीत

परिजनों ने बताया कि बीते कुछ समय से महिला और दामाद के बीच फोन पर लंबी बातचीत होने लगी थी। यह बात लड़की के घरवालों को खटकी और जब इस पर ध्यान दिया गया तो शादी तोड़ने का फैसला लिया गया। इसके बाद लड़की की शादी किसी और जगह तय कर दी गई।

गुमशुदगी दर्ज, लेकिन पुलिस को नहीं मिला पुख्ता सबूत

महिला के लापता होने पर परिजनों ने खोड़ारे थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस ने महिला की तलाश शुरू कर दी है लेकिन अब तक यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि वह वाकई में अपने दामाद के साथ ही भागी है। जांच के दौरान पुलिस ने जब युवक के घर बस्ती में दबिश दी तो घर पर कोई नहीं मिला। युवक के परिजनों के मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ पाए गए। यह स्थिति पुलिस की चिंता बढ़ाने वाली थी।

चेन्नई में काम कर रहा है युवक, लगाए आरोप से किया इनकार

इस मामले में नया मोड़ तब आया जब पता चला कि जिस युवक पर महिला को भगाने का संदेह जताया जा रहा है वह पिछले तीन महीने से चेन्नई में काम कर रहा है। युवक ने फोन पर संपर्क करने पर बताया कि उसका इस पूरे मामले से कोई लेना-देना नहीं है और उसका नाम जबरन घसीटा जा रहा है।

पुलिस जांच जारी, सच्चाई का इंतजार

फिलहाल पुलिस इस पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कर रही है। महिला की तलाश जारी है और खोड़ारे थाना पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर काम कर रही है। वहीं इस मामले ने लोगों को अलीगढ़ की पुरानी घटनाओं की याद दिला दी है जहां पारिवारिक रिश्तों की मर्यादा टूटने की खबरें पहले भी सामने आ चुकी हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

राघवेंद्र बाजपेई के परिजनों को न्याय दिलाने पत्रकार सीतापुर रवाना हुए

बरेली/नवाबगंज प्रेस क्लब पर अखिलेश उपाध्याय की अध्यक्षता मैं बैठ कर सीतापुर के महोली क्षेत्र से दैनिक जागरण के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की हत्या होने के बाद पीड़ित परिवार को न्याय न मिलने पर एप्जा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा द्वारा सीतापुर कलेक्ट्रेट पर अनिश्चितकालीन धरना की घोषणा की गई है। इसके समर्थन में बरेली से नवाबगंज क्यों लड़िया के पत्रकारों ने सामूहिक बैठक की जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा का सहयोग करने साथ ही पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने हेतु सीतापुर रवाना होने का निर्णय लिया गया इसमें अध्यक्ष अखिलेश उपाध्याय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विश्व देव राठौर प्रभारी सुमित कश्यप रियाज गुड्डू राजू गंगवार हीरालाल गंगवार शाहिद अली नजमुल हसन शैलेंद्र गंगवार यशपाल गंगवार अखलाक अहमद बबलू कश्यप समेत भारी संख्या में पत्रकार एकत्रित हुए।

अवकाश ग्रहण पर शमशाद को दी गई विदाई

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में भौतिकी प्रयोगशाला में कार्यरत कर्मचारी शमशाद अली के अवकाश ग्रहण सम्मान में विदाई समारोह सोमवार को आयोजित किया गया। इस अवसर पर इंजीनियरिंग के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने उनके उत्कृष्ट योगदान को सराहा और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो संतोष कुमार ने शमशाद अली के कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि ये एक कर्मठ और विनम्र कर्मचारी थे। समारोह में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. अमरेंद्र सिंह डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. केवल भारती, श्यामजी त्रिपाठी, रामसेवक यादव, मोहिंदर पाल, चंद्रेश शर्मा सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामपुर के 50 साल पुराने मीना बाजार पर चला बुलडोजर; 40 दुकानें ढहाई

स्वतंत्र प्रभात

रामपुर- मीना बाजार की 40 दुकानें आखिरकार ध्वस्त कर दी गई. लगभग 50 साल पुरानी इन दुकानों को कोर्ट के आदेश के बाद ढहाया गया. ये दुकानें सड़क पर बना ली गई थीं. जब प्रशासन ने इनको हटाने का नोटिस दिया तो मामला कोर्ट में पहुंच गया था. सोमवार सुबह 6 बजे से शुरू हुई दुकानों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में नगर पालिका के कर्मचारी और पुलिस फोर्स तैनात थी. एक दिन पहले ही दुकानदारों को नोटिस देकर अवगत कराया गया था कि सभी दुकानों से सामान निकाल लें. इसके बाद आज दुकानें ढहा दी गई।

दरअसल, पूरा मामला सिविल लाइंस इलाके का है. यहां जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय की बाउंड्री से लगी सड़क पर वर्षों पहले कब्जा कर एक के बाद एक दुकानें बना ली गई थीं. फ्लाईओवर बनने के बाद यह जगह और भी संकरी हो गई. प्रशासन ने सड़क पर बनी दुकानों को हटाने के लिए कवायद शुरू की. मीना बाजार की दुकानों पर पूर्व में हुए स्टे आर्डर को एक पक्षीय कार्रवाई ठहराते हुए नगर पालिका ने सेशन कोर्ट में अपील की। इस बीच दुकानदार हाईकोर्ट पहुंच गए. जिस पर हाईकोर्ट ने दो माह में निस्तारण का आदेश लोअर कोर्ट को दिया. 11 अप्रैल को लोअर कोर्ट ने 7 सी प्रार्थना पत्र खारिज करते हुए दुकानदारों को 15 दिन में दुकानें खाली करने का आदेश दिया. साथ ही यह भी कहा था कि समयावधि पूरी होने पर पालिका को विधिक कार्रवाई का अधिकार होगा।

दुकानदारों ने सेशन कोर्ट में दायर की अपील- लोअर कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ दुकानदारों ने सेशन कोर्ट में अपील दायर की, जिसमें पालिका के अधिवक्ता संदीप सक्सेना की ओर से आपत्ति दाखिल की गई थी। जिसमें सेशन कोर्ट ने लोअर कोर्ट का ही आदेश बरकरार रखते हुए दुकानदारों की अपील खारिज कर दी थी। अब 15 दिन में दुकानें खाली करने की समय अवधि भी समाप्त हो गई है, जिसके बाद सोमवार को नगर पालिका की और से दुकानों के ध्वस्तीकरण

की कार्रवाई की गई। कोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई- इस मामले पर जिलाधिकारी रामपुर जोगिंदर सिंह ने बताया कि यह सिविल लाइंस का मामला है. जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय के सामने किसी समय मुख्य मार्ग हुआ करता था. उस पर दुकानें बना ली गई थीं। शासकीय अधिकारी नगर पालिका की तरफ से पत्र प्राप्त हुआ था, जिसके तहत अतिक्रमण हटाने के लिए मजिस्ट्रेट और पुलिस की नियुक्ति की गई थी। सिविल न्यायालय सीनियर डिवीजन का आदेश था कि अतिक्रमण हटाया जाए। अब आम जनमानस के लिए फ्लाईओवर के नीचे

जो सर्विस लाइन थी, वह पूर्ण रूप से खुल गई है. सुचारू यातायात चालू हो गया है. लगभग 40 दुकानें थीं, जो हटाई गईं। जो कुछ अन्य दुकानें थीं वह लोगों ने खुद ही हटा ली थीं।

रास्ता पूछ कर लिफ्ट देकर कार में की महिला से की छेड़छाड़, मुकदमा दर्ज

.....पीजीआई कोतवाली क्षेत्र की घटना।

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के वृन्दावन योजना में कार सवारों ने एक महिला से रास्ता पूछा, महिला को लिफ्ट देने के बहाने कार में बैठा लिया, रास्ते में छेड़छाड़ शुरु कर दी। महिला ने किसी तरह कार से कूदकर अपनी इज्जत बचाई, शोर मचाने पर कार सवार मौके से भाग निकला। पीडिता ने पीजीआई कोतवाली पहुचकर तहरीर दी, पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। लखनऊ के नगराम इलाके की रहने वाली पीडिता ने पीजीआई कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि वह बीते शनिवार की शाम लगभग 4.30 बजे वृन्दावन योजना में स्थित सरयू इन्क्लेव से अपने घर के लिए जा रही थी, रास्ते में सरथुवा के पास एक कार पास में आकर रुकी,उसमे सवार ने पीडिता से खुजौली जाने का रास्ता पूछा, पीडिता ने उसे रास्ता बताया, महिला के उसी तरफ चलने की बात कहने पर कार सवार ने पीड़िता को कार में बैठा लिया, कुछ दूर चलने पर महिला से छेड़छाड़ करने लगा, महिला ने विरोध किया और किसी तरह बरकत नगर मे कार से कूदकर अपनी इज्जत बचाई, शोर मचाने पर लोगों को जुटता देख कार सवार कार लेकर भाग गया। पीजीआई पुलिस ने रविवार को पीडिता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच पड़ताल शुरु कर दी थी।

आरोपी पहुंचा सलाखों के पीछे.....

इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर कार्रवाई करते हुए आरोपी अनुपम तिवारी 28उर्फ सत्यम तिवारी निवासी खुजौली ,मोहारी खुर्द को सोमवार दोपहर बाद गिरफ्तार कर,जांच पड़ताल में हुई पुष्टि के बाद छेड़छाड़ के मुकदमे में दुष्कर्म की धाराओं मे बढ़ोत्तरी करते हुए जेल भेज दिया गया है।

कनाडा में 3 दिन से लापता भारतीय छात्रा का मिला शव

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

कनाडा के ओंटारियो प्रांत में तीन दिन पहले लापता हुई 21 वर्षीय भारतीय छात्रा मृत पाई गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को एक पोस्ट में भारतीय छात्रा वंशिका की मौत की पुष्टि की। पोस्ट में कहा गया है, "ओटावा में भारतीय छात्रा वंशिका के निधन की सूचना से हमें गहरा दुःख हुआ है। संबंधित अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।" उच्चायोग से जुड़े एक भारतीय-कनाडाई संघ द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट के अनुसार, वंशिका पिछले शुक्रवार को ओटावा में '7 मैजेस्टिक ड्राइव' स्थित अपने आवास से किराये का कमरा देखने के लिए रात करीब आठ से नौ बजे के बीच निकली थी, जिसके बाद वह लापता हो गई थी। पोस्ट के अनुसार, उसी रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर उसका फोन बंद हो गया था और अगले दिन उसकी एक बहुत जरूरी परीक्षा थी,

लेकिन वह उसमें नहीं पहुंची। यह बात हैरान करने वाली थी क्योंकि वह ऐसा कभी नहीं करती थी। उच्चायोग ने कहा कि वह सभी संभव सहायता प्रदान करने के लिए शोक संतप्त परिजनों और स्थानीय संगठनों के साथ लगातार संपर्क में है। इससे पहले उच्चायोग ने लोगों से अपील की थी कि अगर किसी को वंशिका के बारे में कोई जानकारी हो तो वे स्थानीय संगठनों से संपर्क करें।

ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव की कामधेनु बनकर रह गई मनरेगा योजना

मास्टर रोल मे फर्जी हाज़िरी लगाकर एवं फर्जी फोटो अपलोड कर डकारा जा रहा मनरेगा का धन

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

लखीमपुर खीरी भले ही सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ जहां भ्रस्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जीरो टारलेंस की नीति लागू कर रहे हो पर जिले के विभागीय जिम्मेदारो की धनलोलुप्त की वजह से योगी के आदेशों का कोई असर पड़ता नजर नहीं आ रहा है मामला विकास क्षेत्र लखीमपुर की ग्राम पंचायत खम्भेल जिम्मेदार अधिकारी व पंचायत सचिव व पंचायत मित्र की मिली भगत के चल रहा फर्जीवाड़ा मनरेगा के तहत मजदूरो के खाते में ट्रांसफर किये गये हजारों रुपए व बैंक से निकल भी गए। जो उनके व्यक्तिगत लोग है फर्जी मैठ बना कर खड़ा कर दिया जाता है जो की वो लोग केवल घूमने जाते है जब कोई पूछता है बोलते है कि हम मैट हूं कोई काम नहीं करूंगा कानूनन देखा जाए तो एक ही मैट होना चाहिए और एक पानी पिलाने वाला और इस ग्राम पंचायत में कई मैट है जो एक साथ मनरेगा का कार्य करते हैजो कभी घर से बाहर नहीं निकलते हैं वो आदमी की आड़ में बैंक से घर बैठे निकाल रहे हैं मनरेगा का पैसा,। ग्राम पंचायत खम्भाल में महात्मागांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में भ्रष्टाचार का तड़का लग चुका हैं।पूरा मामला ग्राम पंचायत खम्भाहौल का हैं। जहां के ग्रामीणों के खातों में बिना मजदूरी किए इस योजना का पैसा ग्राम पंचायत सचिव व पंचायत मित्र जिम्मेदार अधिकारी की मिली भगत से पंचायत मित्र अपने ही चहेते अपने खास आदमी के खाते में मनरेगा का पैसे ट्रांसफर कर दिया जाता है ।इसके बाद ग्राम खम्भाल के पंचायत मित्र की मिली भगत से कुछ पैसे देकर पूरा पैसा खुद की जेब में रख लिया जाता है।यह जिम्मेदार लोग कई सालों से फर्जीवाड़ा मनरेगा में कामनहीं कर रहे हैं और अपने चहेतों के खातो में पैसा ट्रांसफर कर के निकाल रहे हैं।अब देखना यह होगा कि खबर चलने के बाद इन फर्जीवाड़ा करने वालों पर क्या कुछ कार्रवाई होती है या ऐसे ही मामला दब जाएगा। अगली खबर जिन लोगों के खातों में फर्जी तरीके से पैसा ट्रांसफर किया गया है। उसके बाद कुछ पैसा देकर निकाल लिया गया है अब नाम सहित खबर होगी उजागर।

ग्राम पंचायत खम्भाल में मनरेगा योजना अंतर्गत किए गए मजदूरों के भुगतानों की सूची पर एक नजर डालें तो सूची में दर्ज नाम में से

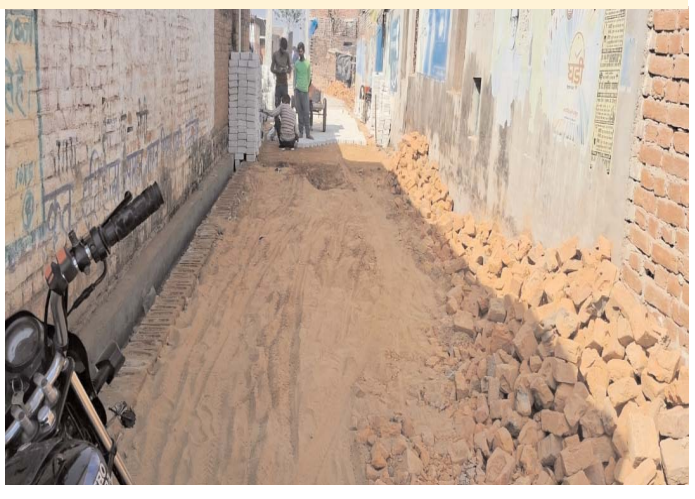

50% से अधिक ऐसे लोग हैं जो कभी काम करने गए ही नहीं है इनकी फर्जी फोटो अपलोड कर फर्जी हाजिरी लगा करके एक व्यापक स्तर पर उनके खातों में पैसा डालकर मनरेगा योजना को आए सरकारी धन का बंदरबाट कर अपनी-अपनी तिजोरिया भर लिए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। सूत्र बताते हैं अधिकांश लोग कभी काम करने ही नहीं जाते हैं और उनको 100 दिवस का रोजगार दिया जाना दर्शाया गया है।और इसी के तहत उनके खातों में भुगतान भी भेजा गया यदि जिम्मेदार अधिकारी ने मामले का संज्ञान और कराये निष्पक्ष जांच तो मनरेगा योजना में एक बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा होगा। देखना अब यह है की खंड विकास अधिकारी से लेकर जिला स्तरीय मनरेगा उपायुक्त द्वारा इस मामले पर क्या कार्रवाई की जाती है.।

सिंधु जल - साथ-साथ नहीं बह सकते पानी और खून

रूस और चीन के बाद सैन्य क्षमता में भारत विश्व में चौथे स्थान पर है। जहां तक सक्रिय सैन्य कर्मियों का प्रश्न है भारत (14लाख 55550) चीन के बाद (20 लाख 35 हजार) दूसरे स्थान पर है। हमारी तुलना में पाकिस्तान 12वें स्थान पर है। भारत के पास 20.52 लाख की संख्या वाला सशस्त्र अर्द्धसैनिक बल भी है जबकि इस दृष्टि से पाकिस्तान अभी भी 5 लाख के आंकड़े को छू नहीं पा रहा। वायुसेना में भी भारत विश्व में चौथे स्थान पर है। इस सेना में हमारे पास 513 जेट विमानों सहित कुल 2221 सक्रिय लड़ाकू विमान हैं और कुल सैनिक क्षमता 1 लाख 7 हजार वायु सैनिकों की है। हमारी टैंक संख्या 4201 है, जबकि पाकिस्तान की टैंक क्षमता 2627 ही है। हमारे पास 1 लाख 48 हजार 594 बख्तरबंद वाहन हैं और पाकिस्तान हमसे एक तिहाई क्षमता ही रखता है। नौसेना के मामले में भी हम काफी ज़्यादा आगे हैं। हमारे पास 18 पनडुब्बियां हैं जबकि पाकिस्तान के पास केवल 8 हैं। हमारी समुद्री सीमा बंगाल की खाड़ी, अरब सागर और हिंद महासागर तक फैली है। हमारे बेड़े की ताकत 293 है जबकि पाकिस्तान की क्षमता 121 ही है। हमें नौ सेना की दृष्टि से भी वैश्विक स्तर पर %ब्लू वाटर-नौ सेना% का दर्जा प्राप्त है जबकि पाकिस्तान की क्षमता भी सीमित है और उसे विश्व के स्तर पर %ग्रीन वाटर नौ सेना% का दर्जा ही प्राप्त है जहां तक परमाणु-क्षमता का प्रश्न है भारत के पास 180 परमाणु-अस्त्र हैं जबकि पाकिस्तान के पास भी 170 का आंकड़ा है। हम सभी क्षेत्रों में सैन्य दृष्टि से पाकिस्तान से काफी आगे हैं। हमारी मारक क्षमता भी कहीं अधिक है मगर विचारणीय पहलू यह है कि कमज़ोर होने के बावजूद पाकिस्तान हमसे डरता नहीं है। आंतरिक स्थिति क्या है, इस बारे में सार्वजनिक रूप में अभी कुछ भी कहना तर्कसंगत नहीं है मगर फिलहाल पाकिस्तान की मुख्य चिंता सिंधु-जल को लेकर है। पिछले दिनों पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष ने एक भड़काऊ बयान ने कश्मीर को पाकिस्तान की %शाह-रग% बताया था मगर अब पूरे पाकिस्तान को एहसास हो जाएगा कि कश्मीर से कहीं अधिक बड़ी 'शाह-रग 'सिंधु जल-समझौता है। चलिए थोड़ा इसे विस्तार से समझ लें। सिंधु जल समझौते के तहत भारत इसके 33 मिलियन एकड़ फीट (एमएएफ) पानी का ही उपयोग कर सकता है और शेष पानी पाकिस्तान को देता रहा है। यह तस्वीर 2016 में बदली, जब उरी हमले के बाद नरेंद्र मोदी सरकार ने इसका प्रवाह भारतीय परियोजनाओं के जरिए जम्मू-कश्मीर और पंजाब में उपयोग के लिए मोड़ने का फैसला किया। दरअसल, सिंधु नदी जल समझौते के तहत कुल छह नदियों को लेकर आपसी सहमति बनाई गई थी। इनमें से तीन-सिंधु, झेलम और चिनाब को पश्चिमी नदियां बताया गया और इनके पानी के इस्तेमाल का अधिकार मूलत~ पाकिस्तान को दिया गया। जबकि शेष तीन- ब्यास, रावी और सतलुज को पूर्व नदियां बताते हुए इस पर भारत का अधिकार तय किया गया। हालांकि, समझौते के जो प्रावधान थे, उनके मुताबिक सिंधु नदी का 80 फीसदी पानी पाकिस्तान जाता रहा, जबकि 20 फीसदी पानी हमारे इस्तेमाल के लिए बचा। वह भी उस सूरत में जब कुछ अपवादों को छोड़कर पूर्वी नदियों का पानी हम बेरोकटोक इस्तेमाल कर सकते थे और पश्चिमी नदियों के पानी का भी सीमित अधिकार (पनबिजली परियोजनाओं या कृषि आदि के लिए) हमारे पास था। जाहिर है यह एक ऐसा समझौता था जो पाकिस्तान को एकतरफा तमाम अधिकार दे रहा था। इसे भारत महसूस तो कर रहा था लेकिन उस पर अमल करना उसकी मजबूरी बनी रही। वास्तव में इस समझौते को खत्म न कर सकने वाले प्रावधान ने भारत के हाथ बांध रखे थे। यानी, भारत हो या पाकिस्तान, कोई भी इस समझौते से बाहर नहीं निकल सकता। यह एक स्थायी समझौता है। यही कारण है कि भारत ने फिलहाल इसे स्थगित करने की बात कही है। अब यहां सवाल है कि इस फैसले का पाकिस्तान पर असर क्या पड़ेगा? पाकिस्तानी पंजाब अपनी कृषि के लिए पूरी तरह से इसके पानी पर निर्भर है। इसके बाद बहुत कम मात्रा में इसका पानी सिंध में ही इस्तेमाल किया जाता है। पाकिस्तान की 80 फीसदी खेती योग्य जमीनें इन्हीं नदियों पर निर्भर है, इसलिए भारत द्वारा समझौते को स्थगित करने से पाकिस्तान की खेती-किसानी को बड़ा नुकसान पहुंच सकता है। पाकिस्तान के लिए इन नदियों का महत्व इससे भी समझा जा सकता है कि इनके किनारे ही यहां की तकरीबन 60 फीसदी आबादी बसती है। तरबेला और मंगला जैसी पनबिजली परियोजनाएं भी इन्हीं नदियों पर हैं। यानी, पाकिस्तान की उपज को प्रभावित करने के साथ-साथ भारत का यह कूटनीतिक कदम उसकी कई अन्य परियोजनाओं को भी प्रभावित करने वाला साबित होगा। ऐसे में, पाकिस्तान इस फैसले के खिलाफ क्या कर सकता है? इस्लामाबाद की ओर से कहा गया है कि यदि भारत ने पानी रोका तो इसे युद्ध माना जाएगा।

वहां भी राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक में कई फैसले लिए गए हैं। मगर यहां यह समझना होगा कि सिंधु नदी समझौता भले ही विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुआ था लेकिन उसकी भूमिका सिर्फ दोनों पक्षों को एक साथ लाने की थी। उसे ऐसा कोई अधिकार नहीं दिया गया है कि वह समझौते को लेकर कोई सवाल-जवाब संबंधित देश से कर सके। फिर जितना संधि के तहत यह समझौता किया गया था, जिसमें आपसी भरोसे को तवज्जो दी गई थी। ऐसे में, यदि पाकिस्तान पानी और खून की नीति साथ-साथ चलाए रखेगा तो भारत ही नहीं, कोई भी अन्य देश समझौते को स्थापित करने का विकल्प ही चुनेगा। मगर अब भारत को भी अपनी जल-संग्रह क्षमता अर्थात् जल-भण्डारण क्षमता युद्ध स्तर पर बढ़ानी होगी। पाकिस्तान को जाने वाला पानी हमारे काम आ सके, यह भी सुनिश्चित करना होगा।

कैलाश मानसरोवर यात्रा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चीन के रवैये को लेकर भले ही सवाल उछल रहे हों लेकिन अच्छी खबर यह है कि 5 साल बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा इस वर्ष 30 जून से शुरू हो रही है जो 25 अगस्त तक चलेगी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने तीर्थयात्रियों के पंजीकरण के लिए वेबसाइट भी खोल दी है। वर्ष 2020 में सीमा पर गतिरोध पैदा हो जाने के बाद से ही चीन ने यह यात्रा रोक दी थी। सीमा पर गतिरोध के चलते गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों में संघर्ष भी हुआ था। 5 साल के अंतराल के बाद यात्रा को फिर से शुरू करना दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मान्यता है कि कैलाश मानसरोवर भगवान शिव का निवास है। कैलाश पर्वत 22028 फीट ऊंचा एक पत्थर का पिरामिड है जिस पर साल भर बर्फ की सफेद चादर लिपटी रहती है। हर साल कैलाश-मानसरोवर की यात्रा करने, शिव-शंभु की आराधना करने, हजारों साधु-संत, श्रद्धालु, दार्शनिक यहां एकत्रित होते हैं, जिससे इस स्थान की पवित्रता और महत्ता काफी बढ़ जाती है। मान्यता है कि यह पर्वत स्वयंभू है। कैलाश-मानसरोवर उतना ही प्राचीन है, जितनी प्राचीन हमारी सृष्टि है। इस अलौकिक जगह पर प्रकाश तरंगों और ध्वनि तरंगों का समागम होता है, जो ? की प्रतिध्वनि करता है। इस पावन स्थल को भारतीय दर्शन के हृदय की उपमा दी जाती है, जिसमें भारतीय सभ्यता की झलक प्रतिबिंबित होती है। कैलाश पर्वत की तलछटी में कल्पवृक्ष लगा हुआ है। कैलाश पर्वत के दक्षिण भाग को नीलम, पूर्व भाग को क्रिस्टल, पश्चिम को रूबी और उत्तर को स्वर्ण रूप में माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह जगह कुबेर की नगरी है। यहीं से महाविष्णु के करकमलों से निकलकर गंगा कैलाश पर्वत की चोटी पर गिरती है, जहां प्रभु शिव उन्हें अपनी जटाओं में भर धरती में निर्मल धारा के रूप में प्रवाहित करते हैं।

हिन्दू धर्म के चार वेदों में से एक ऋग्वेद में भी कैलाश पर्वत का उल्लेख है। यही वजह है कि हिन्दुओं के लिए यह एक पवित्र जगह है। जैन धर्म में यह मान्यता है कि प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ ने यहीं से मोक्ष प्राप्त किया था। बौद्ध ग्रंथों में इसे ब्रह्मांड का केन्द्र बिन्दु बताया गया है। भारत और चीन ने पिछले वर्ष अक्तूबर में समझौते के तहत डेमचौक और देपसांग से अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटा लिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनि?पंग तब पांच वर्ष बाद रूस के कजान शहर में मिले थे। तब दोनों देशों ने आपसी संबंधों की स्थिति पर चर्चा की थी। इसके बाद दोनों देशों ने कैलाश मानसरोवर यात्रा और उड़ानें शुरू करने का फैसला किया था। कैलाश मानसरोवर का ज्यादातर एरिया तिब्बत में है

और तिब्बत पर चीन का अधिकार है। 20 मई,2013 को भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रे से होकर कैलाश मानसरोवर जाने के लिए पहला समझौता हुआ था। तब इस यात्रा के लिए लिपुलेख दर्रा खोला गया था। दूसरा समझौता 18 सितम्बर, 2014 को नाथुला के जरिये कैलाश मानसरोवर जाने वाले रास्ते को लेकर हुआ था। भारत और चीन ने इसी वर्ष कूटनीतिक रिश्तों के 75 वर्ष पूरे किए। वर्ष 1950 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू और उस समय के चीनी राष्ट्रपति माओ त्से तुंग ने राजनीतिक संबंधों की औपचारिक शुरूआत की थी, परन्तु 1962 के चीनी हमले के बाद दोनों देशों के रिश्ते ठंडे पड़े रहे। यह भी सच है कि चीन को पूर्वी लद्दाख गतिरोध के दौरान पहली बार भारत के कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की थी। चीन को इस बात का अहसास हो चुका है कि भारत अब न केवल बड़ी आर्थिक शक्ति है बल्कि उसकी सैन्य शक्ति में भी बहुत वृद्धि हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए जा रहे टैरिफ से वैश्विक परिदृश्य पर नए-नए समीकरण बनते दिखाई दे रहे हैं। यही कारण है कि चीन अब कह रहा है कि भारत और चीन को आपस में सहयोग करना चाहिए। ड्रैगन और हाथी को एक साथ डांस करना चाहिए। संबंधों में जटिलता के बावजूद एशियाई युग लाने के लिए दोनों देशों को एक-दूसरे के करीब आना ही चाहिए। ऐसे में इस बात की सम्भावनाएं बन रही हैं कि दोनों देशों के बीच नए आर्थिक समीकरण बन जाएं। भारत और पाकिस्तान में अगर युद्ध होता है तो रक्षा विशेषज्ञ इस बात की सम्भावना से इंकार नहीं कर रहे कि हो सकता है चीन पाकिस्तान के पाले में खड़ा दिखाई दे। रक्षा विशेषज्ञों की राय चीन पर भरोसे की कमी की ओर ही इशारा कर रही है। अब जबकि भारत में चीन के नए राजदूत ने भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए चीन के बाजार और अधिक खोलने की बात कही है, तो चीन को पाकिस्तान के समर्थन में नहीं खड़े होकर भारत को सहयोग का भरोसा देना होगा। वैश्विक भू-राजनीति एक बार फिर अस्थिरता के दौर में है। ऐसे में जरूरी है कि भारत-चीन संबंधों की उष्मा आगे भी बनी रहे।

पापा बाहर मत जाओ...

पश्चिम बंगाल इस समय गहरे संकट में है। राज्य के कई ज़िले सांप्रदायिक हिंसा की चपेट में हैं। मुर्शिदाबाद जल रहा है। वहां मौतें हो चुकी हैं, लूटपाट और आगज़नी की घटनाएं सामने आई हैं और बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। यदि भारतीय जनता पार्टी के दावों को आधार माना जाए, तो 'हिंदुओं का शिकार किया जा रहा है।' इस हिंसा की वजह समझना कोई मुश्किल काम नहीं है। वजह वही है वक्फ संशोधन विधेयक-जिसे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार ने लागू करने से इनकार कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विधेयक उनकी सरकार का बनाया हुआ नहीं है, इसलिए इसे राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। मुर्शिदाबाद में हिंसा की घटनाओं के बीच उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और चेतावनी दी कि जो लोग राजनीतिक लाभ के लिए हिंसा भड़का रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा-राजनीति के लिए दंगे न भड़काएं। मुर्शिदाबाद में बीते कई दिनों से हालात बेकाबू हैं। प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों में आग लगा दी, सड़कों पर अवरोध खड़े किए और सुरक्षा बलों पर पथराव किया। बीते शुक्रवार की नमाज़ के बाद जब वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया, तब पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़पें हुईं, जिनमें दर्जनभर से ज़्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस चौकियों, सरकारी दफ्तरों और दुकानों को निशाना बनाया गया, तोड़फोड़ की गई और उन्हें आग के हवाले कर दिया गया। पीड़ितों ने घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा देते हुए डरावनी कहानियां साझा कीं। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, शमशेरगंज और ढूलियन समेत कई इलाकों में शुक्रवार की नमाज़ के बाद नाराज़ प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया और पुलिस से टकराव शुरू कर दिया। एक पीड़ित ने बताया, "सब कुछ रात के अंधेरे में हुआ और यह सब स्थानीय लोगों द्वारा अंजाम दिया गया।" उसने कहा कि उसका परिवार डरा हुआ था। जब वह अपनी दुकान बचाने बाहर निकलना चाहता था, तो उसकी बेटी ने कहा-पापा, बाहर मत जाइए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आगज़नी, लूटपाट और हिंसा के कई घंटे बाद तक पुलिस का कोई अता-पता नहीं था। शमशेरगंज थाना से महज़ 500 मीटर की दूरी पर स्थित घरों और दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया। पीड़ितों का कहना है कि पुलिस को लगातार एसओएस कॉल किए गए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मुर्शिदाबाद एक मुस्लिम बहुल ज़िला है, जहां एक समूह ने पुलिस के साथ भिड़ंत की। इसमें कई लोग घायल हुए और कई पुलिस वाहनों को आग लगा दी गई। राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम के अनुसार, महिलाओं को उनके घरों से घसीटकर निकाला गया और उनके साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार किया गया। आयोग ने राज्य सरकार की विफलता पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकी। इन घटनाओं के बाद कई प्रभावित परिवार या तो गांव छोड़ चुके हैं या राहत शिविरों में शरण ले चुके हैं। बेटबोना गांव इस हिंसा का सबसे बड़ा शिकार बना है। वहां के निवासियों का कहना है कि यह कोई सामान्य हिंसा नहीं, बल्कि एक 'सुनियोजित हमला' था। हिंदू समुदाय के लोग मुस्लिम बहुल इलाकों से हमले की आशंका के चलते अपने घर छोड़कर भाग गए हैं। अब यह इलाका युद्ध क्षेत्र-सा प्रतीत होता है। राजनीतिक मोर्चे पर भाजपा ने राज्य सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि 'स्वामी विवेकानंद, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और रवींद्रनाथ ठाकुर की भूमि को तुष्टीकरण की राजनीति में झोंक दिया गया है। राहत कार्यों में जुटे स्वयंसेवकों, जिनमें अधिकतर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हैं, का कहना है कि हिंदू समुदाय के लोग बेघर हो चुके हैं और राज्य सरकार वक्फ कानून को महज़ बहाना बनाकर हिंदुओं को निशाना बना रही है। इसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि 'कुछ राजनीतिक दल धर्म का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए कर रहे हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि यह हिंसा 'पूर्व नियोजित' थी और इसकी साजिश में बीएसएफ व कुछ केंद्रीय एजेंसियां भी शामिल हैं, जो बांग्लादेश से घुसपैठ को बढ़ावा देकर तनाव को भड़का रही हैं। आरोप-प्रत्यारोप और दावों के बीच राज्य की राजनीति पूरी तरह गरमा चुकी है। लेकिन सबसे बड़ा नुकसान आम लोगों को हो रहा है, जो अपने ही घरों से उजड़ चुके हैं और अब वहां लौटने से डर रहे हैं। जहां पहले बेटी ने कहा था 'पापा, बाहर मत जाइए', अब वही कह रही है 'पापा, हम वापस नहीं जाएंगे।' यह एक त्रासदी है, जो मानवता को झकझोर देने वाली है। यहीं पर रुक कर यह सवाल उठाना आवश्यक हो जाता है -क्या वक्फ कानून वास्तव में हिंसा की जड़ था, या फिर यह किसी गहरी साजिश की महज़ एक परत भर है? क्या यह केवल राजनीति है? आरोप-प्रत्यारोप का खेल? या फिर इससे भी बड़ा कोई षड्यंत्र? और सबसे महत्वपूर्ण -क्या यह सब चुनाव की पृष्ठभूमि में हो रहा है? यह उल्लेख करना ज़रूरी है कि राज्य विधानसभा चुनाव अब से लगभग एक वर्ष दूर हैं। हालांकि यह स्पष्ट है कि विरोध की शुरुआत वक्फ विधेयक के खिलाफ हुई, लेकिन परिस्थितियां जल्द ही हिंसक हो गईं। रिपोर्टों के अनुसार, जब कुछ युवा इसमें शामिल हुए तब मामला बेकाबू हो गया। कांग्रेस सांसद ईशा ख़ान के हवाले से कहा गया, -वे युवा, जिनका न कोई वैचारिक आधार है और न ही किसी पार्टी से कोई जुड़ाव। साथ ही, यह भी उतना ही सच है कि जब भी कोई हिंसा होती है-विशेषकर सांप्रदायिक -तो बाहरी तत्व आग में घी डालने का काम करते हैं। मुर्शिदाबाद की घटना भी इससे अलग नहीं है। कुछ राजनीतिक दलों द्वारा यह आरोप लगाया गया है कि सुरक्षा बलों की भूमिका संदिग्ध है, लेकिन इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि देश के बाहर कुछ शक्तियां हर उस विरोध में समर्थन देने को तत्पर रहती हैं जो सरकार के खिलाफ हो। मुर्शिदाबाद की हालिया घटनाओं में भी ऐसी ही संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता। पर्याप्त संकेत हैं कि राजनीतिक दलों और बाहरी शक्तियों की मिलीभगत इस अशांति को लगातार हवा दे रही है। यह सर्वविदित है कि मुर्शिदाबाद की सीमा बांग्लादेश से लगी है, जिसकी लंबाई लगभग 125 किलोमीटर है। यह इलाका मुस्लिम बहुल है, अतः स्वाभाविक था कि वक्फ विरोध की चिंगारी यहीं से भड़की। अतीत में भी सुरक्षा एजेंसियां इस क्षेत्र में इस्लामी कट्टरपंथी समूहों की गतिविधियों को लेकर सतर्क कर चुकी हैं। मुर्शिदाबाद की अशांति न केवल सीमाई सुरक्षा की कमजोरियों को उजागर करती है, बल्कि यह अंतर-सामुदायिक विश्वास की टूटन और सांप्रदायिक तनाव के गहराते खतरों की ओर भी इशारा करती है। ऐसे में यह मानना भूल होगी कि मुर्शिदाबाद की हिंसा और उसका विस्तार कोई एक बार की घटना है। यह उन शुरुआती चेतावनियों में से है जिन्हें अगर गंभीरता से न लिया गया, तो वे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर संकट बन सकती हैं। इस पृष्ठभूमि में, चाहे भाजपा हो या तृणमूल कांग्रेस, अगर राजनीतिक लाभ के लिए असंतोष को हवा दी जा रही है, तो यह समझना ज़रूरी है कि यह आग से खेलना है-ऐसा खेल जिसमें सीमा सुरक्षा भी दांव पर लग सकती है। चुनाव आएंगे और चले जाएंगे, पार्टियां जीतेंगी और हारेंगी लेकिन यदि राष्ट्रीय सुरक्षा एक बार कमज़ोर पड़ी या बाहरी ताकतें सांप्रदायिक ताकतों का लाभ उठाने लगीं, तो वापसी की कोई राह नहीं बचेगी। इसलिए भारत की हर राजनीतिक पार्टी की यह राष्ट्रीय ज़िम्मेदारी बनती है कि वह सांप्रदायिक शक्तियों को दूर रखे, न कि उन्हें समर्थन और संरक्षण देकर हिंसा के रास्ते पर ढकेले। यही मुर्शिदाबाद से लिया गया सबसे बड़ा सबक और संदेश होना चाहिए।

संपादकीय

भाजपा-संघ के राष्ट्रवाद को छद्म राष्ट्रवाद कहना सनातन सांस्कृतिक मूल्यों की घोर उपेक्षा

'वसुधैव कुटुंबकम 'की अवधारणा पर आधारित सनातन सांस्कृतिक मूल्यों पर भारतीय राष्ट्र को गढ़ना छद्म राष्ट्रवाद कहना कोरी मूर्खता और विकृत सोच कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। 22 अप्रैल को भारत वर्ष के अभिन्न अंग जम्मू-कश्मीर राज्य के पहलगांव में पाकिस्तानी मुस्लिम आतंकियों ने धर्म पूछकर 27 हिंदुओं और 1 ईसाई की नृशंस हत्या कर दी। इससे विश्व के देश अचंभित हो मृतक परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए भारत के साथ खड़े हैं। वहीं दूसरी ओर, घोर हिंदू संस्कृति विरोधी लिबरल गैंग बेशर्मी से यह कहते हुए गौरवान्वित हो रहे हैं कि आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता। आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता, यह सही है, लेकिन भारत वर्ष के जम्मू-कश्मीर, मुंबई आदि में जो आतंकी हमले हुए, वे क्या मुसलमान नहीं थे? 22 अप्रैल को पहलगांव में हिंदू पर्यटकों की पत्नियों और बच्चों के समक्ष ही धर्म पूछकर उनकी नृशंस हत्या की गई। यदि वे इस्लामिक प्रशिक्षित आतंकी नहीं थे तो कलमा न पढ़ पाने वाले की हत्या और पैंट खोलकर खतना देखने की घटनाएं कैसे घटीं? वहीं आतंकियों के "बिस्मिल्लाह" कहने पर क्या वे मुस्लिम आतंकी नहीं थे?

पिछले वर्षों में भी जब भारत पर आतंकियों ने हमले किए, तो तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने ऐसे राष्ट्रद्रोहियों पर कठोर कार्रवाई नहीं की। उलटे दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं ने 'हिंदू आतंकवाद 'का राग छेड़कर मुस्लिम आतंकियों का बचाव किया। पहलगांव में धर्म पूछकर की गई हत्या से देश ही नहीं, विश्व के अनेक राष्ट्र भी मर्माहत हैं और आतंकियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर भारत के साथ खड़े हैं। भारत में भी सभी धर्मों के लोग और विभिन्न राजनीतिक पार्टियां इस आतंकी हमले के विरोध में एकजुटता प्रदर्शित कर रही हैं। यही है भारतीय राष्ट्रवाद जो सर्वोपरि है। फिर भी कुछ पत्रकार और राजनेता निराधार कथन और लेखों से राष्ट्रीय धारा को बाधित करते रहते हैं। ऐसा ही एक आलेख 25 अप्रैल को संजय पराते द्वारा प्रकाशित हुआ, जिसमें भाजपा-संघ के राष्ट्रवाद को छद्म राष्ट्रवाद बताया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों से हिंदू सांप्रदायिक ध्रुवीकरण ने मुस्लिम विरोधी भावनाएं फैलाई और वह पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खाद-पानी देने का काम कर रहा है। उन्होंने कश्मीर से धारा 370 हटाने को भी नकारात्मक बताया।

ऐसे लोग भूल जाते हैं कि सातवीं से बारहवीं सदी तक भारत पर मुस्लिम आक्रांताओं बीन कासिम, मोहम्मद गोरी, गजनवी, बख्तियार खिलजी ने मजहब के नाम पर भीषण अत्याचार किए। साथ ही देशी राजाओं की आपसी बैमनस्यता ने मुगलों का भारत में प्रवेश सरल बनाया। दार्शनिकों का कहना है कि अतीत की गलतियों से सीखकर वर्तमान को सुधारना चाहिए। भारत एक प्राचीन आध्यात्मिक और धर्म आधारित राष्ट्र है, जहां दया, परोपकार, विनम्रता और सहिष्णुता जैसे मानवीय गुण प्राचीन काल से विद्यमान रहे हैं। परंतु आवश्यकता पड़ने पर ऋषियों और देवताओं ने भी अस्त्र-शस्त्र धारण किए, यह काल्पनिक नहीं बल्कि सत्य का प्रमाण है। लिबरल गैंग को समझना चाहिए कि केवल मुगलों और अंग्रेजों का शासन ही भारत का इतिहास नहीं है। भारत की संस्कृति को समझने के लिए वेद, उपनिषद और पुराणों का अध्ययन जरूरी है, न कि कुटिल अंग्रेजों द्वारा रचित विकृत इतिहास का। ऐसे लोग, जिन्हें "ब्रह्मराक्षस" कहा जाता है, प्रखर बुद्धि के बावजूद भारत और सनातन संस्कृति के विरोध में काम करते रहे हैं। बंगाल जैसे गौरवशाली प्रदेश में वामपंथियों ने 34 वर्षों तक शासन किया, परंतु आज वहां अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण हिंदू पीड़ित हैं। क्या संजय पराते को यह ज्ञात नहीं है? भारत का अतीत अति समृद्ध और शक्तिशाली था, परंतु एक हजार वर्षों तक पराधीनता क्यों आई, इस पर गंभीर मंथन आवश्यक है। भारत को स्वतंत्र कराने में सभी धर्मों और पंथों के लोगों ने प्राणों की आहुति दी। परंतु अंग्रेजों ने मजहब के आधार पर देश को विभाजित कर पाकिस्तान बनाया, जो आज भी भारत को आतंकवाद से लहूलुहान कर रहा है।

क्या संजय पराते नहीं जानते कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के बड़े हिस्से पर कब्जा किया और आज भी आतंकी गतिविधियों के माध्यम से भारत को अस्थिर करने का प्रयास कर रहा है? क्या 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया नहीं बढ़ी? आतंकी घटनाओं में स्थानीय समर्थन और पाकिस्तान समर्थक नेताओं की भूमिका रही है। संजय पराते ने हिंदू ध्रुवीकरण का आरोप लगाया, लेकिन कांग्रेस सरकारों ने ही हिंदुओं को जातियों में बांट कर आपसी बैमनस्यता फैलाई और मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा दिया। क्या बंगाल और अन्य राज्यों में मुस्लिम कट्टरता की घटनाएं नजरअंदाज की जा सकती हैं? क्या पीएफआई, भू-माफिया, लव जिहाद और थूक जिहाद जैसे राष्ट्र विरोधी कृत्यों पर कार्रवाई करना मुसलमानों पर अत्याचार है? नहीं, यह राष्ट्र रक्षा का कार्य है। आज भी भारत में हिन्दुओं को उनके धार्मिक जुलूसों पर पत्थरबाजी, सरकारी संपत्ति की क्षति, पाकिस्तानी झंडे फहराने जैसी घटनाओं से अपमानित किया जाता है। किंतु अब हिन्दू समाज में व्यापक चेतना आई है और वे समझने लगे हैं कि सनातन धर्म कर्म आधारित व्यवस्था है, जो राष्ट्र और समाज हित में है। हिंदुओं की एकता से केवल राष्ट्र विरोधी तत्वों को खतरा है। राहुल गांधी मुस्लिम लीग जैसी घोर साम्प्रदायिक पार्टी को धर्मनिरपेक्ष कहते हैं और भाजपा जैसी राष्ट्रवादी पार्टी को साम्प्रदायिक। 'इंडिया 'गठबंधन के नेताओं की दृष्टि में हिन्दुओं की निंदा धर्मनिरपेक्षता है, और राम मंदिर जाना साम्प्रदायिकता। लेकिन अब हिन्दू समाज ने इस पाखंड को भली-भांति पहचान लिया है।

मदन माधुर्य

डिजिटल युग में बच्चे गुस्सैल और आक्रामक क्यों?

आज के डिजिटल युग में, बच्चों का व्यवहार और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। माता-पिता और शिक्षक अक्सर यह शिकायत करते हैं कि बच्चे पहले की तुलना में अधिक गुस्सैल, चिड़चिड़े और आक्रामक हो गए हैं। इसका एक प्रमुख कारण बच्चों का कम उम्र में मोबाइल फोन और इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग है। प्रारंभिक स्क्रीन टाइम और डिजिटल दुनिया बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप उनमें गुस्सा और आक्रामकता बढ़ रही है। आज के बच्चे 'डिजिटल नेटिव्स' हैं, यानी वे उस दुनिया में पैदा हुए हैं जहां स्मार्टफोन, टैबलेट और इंटरनेट रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हैं। पहले जहां बच्चे खेल के मैदान में दोस्तों के साथ समय बिताते थे, वहीं अब वे मोबाइल स्क्रीन पर गेम खेलने, वीडियो देखने और सोशल मीडिया पर समय बिताने में व्यस्त रहते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भारत में 6-12 वर्ष की आयु के बच्चे औसतन प्रतिदिन 2-4 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं। ये आंकड़ा किशोरों में और भी अधिक है।

हालांकि तकनीक ने शिक्षा और मनोरंजन के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इसका अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि कम उम्र में मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग बच्चों के मस्तिष्क के विकास, भावनात्मक नियंत्रण और सामाजिक कौशलों को प्रभावित करता है। गुस्सा और आक्रामकता के कारण बच्चों का मस्तिष्क विकास के महत्वपूर्ण चरण में होता है और इस दौरान स्क्रीन टाइम का अत्यधिक उपयोग उनके मस्तिष्क के 'प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स' को प्रभावित करता है, जो भावनाओं को नियंत्रित करने और निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मोबाइल गेम्स और सोशल मीडिया में तेजी से बदलते दृश्य और तत्काल पुरस्कार (जैसे गेम में जीत या लाइक्स का मिलना) बच्चों के मस्तिष्क में 'डोपामाइन' का स्तर बढ़ाते हैं।

इससे वे तुरंत संतुष्टि की उम्मीद करने लगते हैं और जब वास्तविक जीवन में ऐसा नहीं होता, तो वे निराश, चिड़चिड़े और गुस्सैल हो जाते हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध कई गेम्स और वीडियो में हिंसा, आक्रामकता और अनुचित व्यवहार को दर्शाया जाता है। बच्चे, जिनका दिमाग अभी परिपक्व नहीं हुआ है, इन सामग्रियों को देखकर हिंसक व्यवहार को सामान्य मानने लगते हैं। उदाहरण के लिए कई लोकप्रिय मोबाइल गेम्स में युद्ध, लड़ाई और विनाश को बढ़ावा दिया जाता है, जो बच्चों में आक्रामक प्रवृत्तियों को बढ़ा सकता है। मोबाइल और इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग से बच्चे वास्तविक दुनिया में अपने दोस्तों और परिवार से कट जाते हैं। वे सोशल मीडिया पर तो सक्रिय रहते हैं, लेकिन वास्तविक सामाजिक संपर्क की कमी उन्हें अकेला और उदास बनाती है। यह अकेलापन और भावनात्मक खालीपन अक्सर गुस्से और आक्रामकता के रूप में व्यक्त होता है। देर रात तक मोबाइल फोन का उपयोग, विशेष रूप से नीली रोशनी का संपर्क, बच्चों की नींद की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। अपर्याप्त नींद बच्चों में चिड़चिड़ापन, तनाव और गुस्से को बढ़ाती है। एक शोध के अनुसार, जो बच्चे रात में अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं, उनमें भावनात्मक अस्थिरता और आक्रामक व्यवहार की संभावना अधिक होती है।

सोशल मीडिया बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ाता है। वे दूसरों की 'परफेक्ट' जिंदगी, लुक्स या उपलब्धियों को देखकर खुद को कमतर महसूस करते हैं। यह आत्मसम्मान में कमी और असंतोष का कारण बनता है, जो गुस्से और आक्रामकता के रूप में सामने आता है। प्रारंभिक उम्र में मोबाइल और इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग केवल गुस्सा और आक्रामकता तक सीमित नहीं है। इसके दीर्घकालिक प्रभाव भी चिंताजनक हैं। बच्चों में ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कम हो रही है, उनकी रचनात्मकता प्रभावित हो रही है और वे भावनात्मक रूप से कमजोर हो रहे हैं। इसके अलावा, लगातार स्क्रीन टाइम के कारण शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है, जैसे कि मोटापा, आंखों की समस्याएं और खराब मुद्रा।

इस समस्या से निपटने के लिए माता-पिता, शिक्षकों और समाज को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। निम्नलिखित कुछ सुझाव हैं जो बच्चों में गुस्सा और आक्रामकता को कम करने में मदद कर सकते हैं। माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम पर नजर रखनी चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 2-5 वर्ष की आयु के बच्चों को प्रतिदिन 1 घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम नहीं देना चाहिए। बड़े बच्चों के लिए भी उम्र के अनुसार समय सीमा निर्धारित करें। बच्चों को खेल, कला, संगीत और पढ़ने जैसी गतिविधियों में शामिल करें। ये न केवल उनकी रचनात्मकता को बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें भावनात्मक रूप से स्थिर भी बनाते हैं। माता-पिता को बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना चाहिए। साथ में भोजन करना, कहानियां सुनाना या बाहर घूमने जाना बच्चों को भावनात्मक रूप से मजबूत बनाता है। बच्चों को ऐसी सामग्री देखने के लिए प्रोत्साहित करें जो शिक्षाप्रद और सकारात्मक हो। माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे हिंसक गेम्स या वीडियो से दूर रहें। बच्चों को इंटरनेट के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के बारे में शिक्षित करें। उन्हें सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों के बारे में बताएं। यदि बच्चा लगातार गुस्सा या आक्रामक व्यवहार दिखा रहा है, तो मनोवैज्ञानिक या काउंसलर की मदद लें। प्रारंभिक हस्तक्षेप से समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है।

बच्चों के लिए ही नहीं हम सबके लिए भी ये चेतावनी है कि लगातार डिजिटल उपकरणों का उपयोग मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुक्सान पहुंचाता है। इसके लिए 'डिजिटल डिटॉक्स' करने के जरूरत होती है। जो तनाव कम करने, नींद सुधारने और वास्तविक रिश्तों को मजबूत करने में मदद करता है। यह एकाग्रता बढ़ाता है और बच्चों को स्क्रीन से दूर प्रकृति व खेलों से जोड़ता है। समय-समय पर 'डिजिटल डिटॉक्स' अपनाकर हम और हमारे बच्चे संतुलित और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग आधुनिक जीवन का एक अभिन्न अंग है, लेकिन इसका बच्चों पर होने वाला प्रभाव गंभीर है। यह माता-पिता और समाज की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को डिजिटल दुनिया के नकारात्मक प्रभावों से बचाएं और उनके समग्र विकास को प्रोत्साहित करें। संतुलित जीवनशैली, सकारात्मक वातावरण और प्रेमपूर्ण देखभाल के साथ, हम बच्चों को न केवल गुस्से और आक्रामकता से मुक्त कर सकते हैं, बल्कि उन्हें एक स्वस्थ और खुशहाल भविष्य भी दे सकते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

हाईवे पर अवैध कट बंद करने के आदेश सड़क सुरक्षा पर जिलाधिकारी सख्त, ओवरब्रिज निर्माण की धीमी प्रगति पर जताई नाराज़गी

सीतापुर जनपद सीतापुर में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक हुई जिलाधिकारी ने सीतापुर-सिधौली मार्ग पर हो रहे हादसों को देखते हुए अवैध कटों को बंद करने के निर्देश दिए नवीन चौक पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताई। कार्यदायी संस्था को समय सीमा में काम पूरा करने का आदेश दिया दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ओवरस्पीडिंग नियंत्रण और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पटरियों का निर्माण किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा में विभागीय समन्वय पर जोर दिया पुलिस, लोक निर्माण, परिवहन और विद्युत विभाग को आपसी सहयोग से काम करने को कहा मार्च-अप्रैल की दुर्घटना रिपोर्ट जल्द मांगी गई है यातायात में बाधक विद्युत पोलों को हटाने के निर्देश दिए गए हैं लेन मार्किंग और ट्रैफिक चालान की निगरानी बढ़ाई जाएगी। नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर रोक और जन-जागरूकता अभियान चलाने पर भी बल दिया गया बैठक में सीओ नगर अमन सिंह, नगर पालिका परिषद के ईओ वैभव त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेन्द्र सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे!!

मुस्लिम समाज ने किया आतंकवाद का विरोध, पहलगाम हमले के बाद सीतापुर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन

सीतापुर जनपद सीतापुर मुस्लिम समाज ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया समाज के लोग इमामबाड़ा काज़ियारा में एकत्र हुए वहां से जुलूस की शक्ल में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आतंकी घटना की कड़ी निंदा की गई साथ ही देश में शांति और एकता बनाए रखने का संदेश दिया गया वक्ताओं ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता यह मानवता पर हमला है प्रदर्शन में मौलाना इश्तियाक हुसैन, सफ़फ़ान सूफ़ी और कारी सलाउद्दीन शामिल थे नोमान सिद्दीकी, हुसैनी टाइगर के जिला अध्यक्ष हसन इमाम भी मौजूद रहे। मंज़र रिज़वी, समीर जैदी, सादिक रज़ा और सैय्यद अख़्तर अब्बास समेत बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया सभी ने आतंकवाद के खिलाफ़ नाराज़गी जताई सरकार से कठोर कार्रवाई की मांग की कार्यक्रम शांतिपूर्ण और अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ!!

प्रो. संजीव चड्ढा विधि अध्ययन विभाग के बने डीन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बीबीएयू विधि अध्ययन विभाग के प्रो. संजीव कुमार चड्ढा को डीन बनाया गया है। पूर्व में प्रो. चड्ढा विधि अध्ययन विभाग के अध्यक्ष थे। उनके नेतृत्व में विभाग ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित रैंकिंग हासिल की थी। उन्होंने बताया कि छात्रों के कल्याण के लिये हर संभव प्रयास किये जाएंगे और विधि विभाग को शैक्षणिक उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में काम किया जाएगा एवं विभाग की समस्याओं का त्वरित निदान भी किया जाएगा।

पौधरोपण कर मनाया समाजसेवी ने जन्मदिवस

बीते कल शहर के गाँधी मैदान में हुआ पौधरोपण कार्यक्रम

हरदोई युवा समाजसेवी एवं दृष्टि दोष विशेषज्ञ कर्ण सिंह राणा का जन्मदिवस प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पौधरोपण कर मनाया गया। समाजसेवी के जन्मदिवस पर शहर के गाँधी मैदान परिसर में पौधारोपण नगर पालिका परिषद् हरदोई अध्यक्ष के सुपुत्र मिलन मिश्रा सहित सम्भ्रान्त नागरिकों की मौजूदगी में संपन्न हुआ। पौधारोपण कार्यक्रम में श्री मिश्रा ने समाजसेवी की इस मुहिम की सराहना करते हुए सभी क़ो अपने विशेष अवसरो पर पौधरोपण करने का संदेश दिया। समाजसेवी सिंह ने बताया कि वे प्रत्येक वर्ष अपने जन्मदिवस पर पौधरोपित करते है और आगे भी करते रहेंगे एवं उन्होंने सभी से भी अपने विशेष अवसरो क़ो यादगार बनाने के लिए पौधरोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा भीषण गर्मी से निजात सिर्फ पेड़ पौधे ही दिला सकते है इसीलिए हमें उनके संरक्षण एवं रख रखाव की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस मौके पर महात्मा गाँधी जनकल्याण समिति सदस्य जोगिंदर सिंह गाँधी, यूथ आइकॉन आलोकिता श्रीवास्तव, टंडौर प्रधान नीरज पाण्डेय, अंकित सिंह परमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ओबरा में शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में किशोरों का टीकाकरण, टेटनस-डिप्थीरिया से सुरक्षा

स्वतंत्र प्रभात

ओबरा, सोनभद्र। स्थानीय शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में आज एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल के तहत 16 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों को टेटनस-डिप्थीरिया (टीडी) का टीका लगाया गया। इस टीकाकरण अभियान का शुभारंभ विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य विजय कुमार ने स्वयं टीका लगवाकर किया, जिससे छात्रों को भी प्रेरणा मिली।टीकाकरण कार्यक्रम के प्रभारी शिक्षक दिनेश यादव ने इस अवसर पर टी डी वैक्सीन के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि यह एक संयुक्त टीका है,जो दो गंभीर जीवाणु संक्रमणों-टेटनस और डिप्थीरिया-से प्रभावी सुरक्षा प्रदान करता है। टेटनस के बारे में जानकारी देते हुए श्री यादव ने कहा कि इसे ÷लॉकजॉ÷ के नाम से भी जाना जाता है। यह एक खतरनाक संक्रमण है, जिसके कारण मांसपेशियों में असहनीय अकड़न होती है और यह जानलेवा भी सिद्ध हो सकता है। टेटनस के बैक्टीरिया आमतौर पर मिट्टी, धूल और खाद में मौजूद होते हैं और किसी भी खुले घाव के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश कर सकते हैं।डिप्थीरिया के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि यह एक संक्रामक जीवाणु संक्रमण है, जो नाक और गले में एक मोटी परत बना देता है, जिससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। इसके अतिरिक्त, डिप्थीरिया हृदय, गुर्दे और तंत्रिका तंत्र को भी नुकसान पहुंचा सकता है और यह भी एक घातक बीमारी है। श्री यादव ने आगे बताया कि टी डी वैक्सीन में टेटनस और डिप्थीरिया टॉक्सोइड्स शामिल होते हैं। टॉक्सोइड्स बैक्टीरिया द्वारा उत्पन्न निष्क्रिय विष होते हैं। जब यह टीका लगाया जाता है, तो शरीर इन निष्क्रिय विषों के खिलाफ एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया विकसित करता है। इसका अर्थ है कि शरीर एंटीबॉडी का निर्माण करता है, जो भविष्य में इन बीमारियों के बैक्टीरिया के संपर्क में आने पर उनसे लड़ने में सहायक होते हैं।यह महत्वपूर्ण टीकाकरण कार्य एनएम मनीषा गौतम द्वारा कुशलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रवक्ता प्रमोद चौबे सहित अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस स्वास्थ्य जागरूकता अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया। यह टीकाकरण निश्चित रूप से विद्यालय के किशोर छात्रों को दो गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करेगा और उनके स्वस्थ भविष्य में योगदान देगा।

अवैध अतिक्रमण से लगी जाम एक घंटे तक फंसी एंबुलेंस धूप में परेशान रहे लोग

सीतापुर लहरपुर में मजाशाह चौराहे से तंबौर जाने वाले मार्ग पर गंभीर जाम की स्थिति बन गई इस जाम में दो एंबुलेंस समेत कई वाहन फंस गए जाम का मुख्य कारण सड़क के दोनों किनारों पर दुकानदारों द्वारा किया गया। अवैध अतिक्रमण था इसके अलावा सड़क किनारे नाला निर्माण की मिट्टी डाल दी गई थी इससे सड़क संकरी हो गई और भारी वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ चिलचिलाती धूप में वाहन चालक करीब एक घंटे तक जाम में फंसे रहे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन चालकों की मदद से एक तरफ वाहनों को रोककर व्यवस्था बनाई कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुला और लोगों ने राहत की सांस ली स्थानीय लोगों प्रेम कुमार, जियाउद्दीन, रईस अहमद और मुनीर अहमद ने बताया कि तहसील पुलिस और लोक निर्माण विभाग कभी-कभी मजाशाह चौराहे से नहर रेगुलेटर तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाते हैं लेकिन अभियान समाप्त होते ही दुकानदार फिर से इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध अतिक्रमण कर लेते हैं उनका कहना है कि जब तक स्थायी रूप से अतिक्रमण नहीं हटेगा जाम की समस्या बनी रहेगी!!

नेशनल गर्ल्स कॉलेज में हुआ निशुल्क नेत्र जांच कैंप का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। जनपद पुराने सीतापुर के पटिया मोहल्ले में स्थित नेशनल गर्ल्स कॉलेज में एक विशेष निशुल्क नेत्र जांच कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप एशिया का परिषद आई हॉस्पिटल द्वारा लगाया गया कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में नेत्र रोगों की पहचान कर उन्हें समय रहते उचित उपचार प्रदान करना था इस अवसर पर कुल 150 बच्चों का निशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया नेत्र विशेषज्ञों की एक अनुभवी टीम ने शिविर में भाग लिया डॉक्टरों ने बच्चों की आँखों की बारीकी से जांच की जरूरतमंद बच्चों को आगे के उपचार के लिए परामर्श भी दिया गया कैंप में बच्चों को आंखों की देखभाल संबंधी जानकारी भी प्रदान की गई नेशनल गर्ल्स कॉलेज का वातावरण उत्साहपूर्ण और अनुशासित रहा छात्राओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का उत्साह देखने को मिला कैंप में उपस्थित अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की वही नेशनल गर्ल्स कॉलेज के प्रबंधक सलाहुद्दीन अंसारी ने आए हुए डॉक्टरों का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया सलाहुद्दीन अंसारी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्य होते रहेंगे एशिया का परिषद आई हॉस्पिटल की टीम ने भी कॉलेज प्रशासन को धन्यवाद दिया डॉक्टरों ने बताया कि बच्चों में समय रहते नेत्र रोगों की पहचान अत्यंत महत्वपूर्ण है इस तरह के कैंप से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार संभव है कैंप के दौरान कुछ बच्चों में चश्मा लगाने की आवश्यकता पाई गई आवश्यकतानुसार बच्चों को चश्मे उपलब्ध कराने का वादा भी किया गया नेशनल गर्ल्स कॉलेज के शिक्षकों ने भी कैंप में सक्रिय योगदान दिया कैंप की व्यवस्था अत्यंत सुव्यवस्थित और प्रभावी रही बच्चों ने भी नेत्र जांच में बढ़-चढ़कर भाग लिया कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित डॉक्टरों को सम्मानित किया गया समापन अवसर पर उपस्थित सभी ने इस सफल आयोजन के लिए एक-दूसरे को बधाई दी इस सफल आयोजन ने कॉलेज में स्वास्थ्य जागरूकता की एक नई मिसाल कायम की। इस मौके पर आई हॉस्पिटल टीम से, समीकक्षा मिश्रा, अक्षित विश्वकर्मा, ऑफथाल्मिक असिस्टेंट, पी एन शुक्ला विशन सेंटर असिस्टेंट, डॉक्टर पूजा कुमारी बजरनिया, नेशनल गर्ल्स कॉलेज के स्टाफ व प्रबंधक सलाहुद्दीन अंसारी आदि लोग उपस्थित रहे।

रेणुकूट में मानवता की मिसाल टीम निशा बबलू सिंह ने बेसहारा महिला के अंतिम संस्कार में दिखाई संवेदनशीलता

स्वतंत्र प्रभात

रेणुकूट, सोनभद्र। आज सुबह खाड़ पाथर के रास्ते पर जाते हुए, मुझे कुछ लोगों ने एक अत्यंत दुखद समाचार से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि एक बेसहारा महिला का निधन हो गया है और इस दुख की घड़ी में उनका कोई भी सहारा मौजूद नहीं है।इस हृदयविदारक सूचना मिलते ही, टीम निशा बबलू सिंह के सदस्यों ने तुरंत सक्रियता दिखाई और घटनास्थल पर पहुंचे। वहां पहुंचकर, टीम के सदस्यों ने जो मंजर देखा, उससे उनका हृदय करुणा से भर गया।मानवता की उत्कृष्ट मिसाल पेश करते हुए, टीम के सदस्यों ने दिवंगत राजकुमार बैगा की पत्नी के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी उठाने का निर्णय लिया। इस पुनीत कार्य में बड़े भैया नरेश अग्रवाल जी, बड़े भैया संतोष साबू जी, डब्लू मिश्रा जी, इरसाद विक्की जी, मुन्ना भैया जी और पीयूष जायसवाल जी ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इन सभी के प्रयासों से न केवल अंतिम संस्कार की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई, बल्कि शोकाकुल परिवार को कुछ आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई, ताकि वे इस मुश्किल समय में कुछ संबल पा सकें।यह परिवार रेणुकूट स्थित बाबू राम सिंह महाविद्यालय के सामने एक छोटी सी झोपड़ी में निवास करता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि अब इस परिवार में केवल एक 20 दिन का नवजात शिशु और एक 3 साल की छोटी बच्ची ही शेष हैं, जिनके आगे-पीछे कोई भी देखभाल करने वाला नहीं है। मैं सभी संवेदनशील और उदार हृदय वाले बंधुओं से विनम्र अपील करता हूँ कि यदि आपके लिए संभव हो, तो कृपया इस संकटग्रस्त परिवार की सहायता के लिए आगे आएं। इस मुश्किल घड़ी में मानवता के नाते इस परिवार का साथ दें और उनकी मदद करें।यह एक ऐसा कार्य है जो न केवल किसी के दुख को कम करेगा, बल्कि समाज में करुणा और एकजुटता की भावना को भी मजबूत करेगा।

मूक बधिर संगठन के अध्यक्ष नीलेश, महासचिव बने नरेन्द्र सिंह, सूरज राय बनाए गए विधिक सलाहकार

● मूक बधिर संगठन की बैठक में हुआ कार्यकारिणी का गठन

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। जिनमें बोलने और सुनने की शक्ति नहीं होती शायद उन्हें ईश्वर इसलिए आत्म शक्ति वरदान स्वरूप देते है। इसको साफ तौर से सीतापुर के अग्रसेन अतिथि भवन में आयोजित उत्तर प्रदेश मूक बधिर संगठन की बैठक में देखा गया। संठगन को मजबूत करने के लिए रविवार को चुनाव प्रक्रिया अपनाकर पदाधिकारियों का चयन भी हुआ। मूक बधिर कार्यकारिणी गठन चुनाव अधिकारी पियूष व अमन सक्सेना द्वारा मतदान के माध्यम से कराया गया। जिसमें उपस्थित मूक बधिक जनों ने अध्यक्ष नीलेश, महासचिव नरेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष शुभम वर्मा व सली, संयुक्त सचिव जसप्रीत सिंह, कोषाध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव, खेल सचिव पिंकू, महिला सचिव नीतू श्रीवास्तव, ट्रांसलेटर अवनी सिंह चौहान, सदस्य अंकित, राहुल, हर्षित, संदीप, आकाश, शैलेन्द्र, अर्चना तथा विधिक सलाहकार सूरज राय एडवोकेट को निर्वाचित किया। निर्वाचित सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए चुनाव अधिकारी ने सांकेतिक भाषा में बताया कि हम मूक बधिर जनो को भी बराबरी का अवसर मिलना चाहिए, लेकिन नौकरी में वेतन कम मिलना, प्रमोशन रोका जाना, सरकार से ट्रांसलेटर रखने की अनुमति न मिलना, ड्राइविंग लाइसेंस के लिए परीक्षा में न लिया जाना जैसे अन्य तमाम अधिकारों से वंचित रखा जाता है। इसलिए आगामी माह में आवश्यकता पड़ने पर लखनऊ में प्रदर्शन भी किया जाएगा। वहीं विधिक सलाहकार सूरज राय एडवोकेट ने कहा कि पीआरडब्लूएफ एक्ट 2016 के अनुसार दिव्यांगजनों को अधिकार प्राप्त है, फिर भी मूक बधिर कम्यूनिटी को स्कूल, चिकित्सालय, न्यायालय आदि जगह पर अपने बात रखने में काफी परेशानी होती है और उनकी बात को समाज के सामने रखने, समस्या के निराकरण हेतु तथा न्याय दिलाने के लिए सदैव तत्पर रहूंगा। श्रीराय ने कहा कि समाज, परिवार की जिम्मेदारी बनती है कि अगर मूक बधिर कम्यूनिटी को परेशानी है, तो उनका सहयोग करे, क्योंकि यह उनका मानवाधिकार भी है। इस मौके पर काफी संख्या में मूक बधिर दिव्यांगजन मौजूद रहे।

हर्षित ने हाईस्कूल परीक्षा में प्राप्त किए बेहतर अंक

हर्षित कक्षा 10 के छात्र है और बोलने तथा सुनने की शक्ति नहीं रखते। लेकिन उनके हौसले ने हाईस्कूल परीक्षा में 58 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है। अवधेश मिश्रा के पुत्र हर्षित ने सांकेतिक भाषा में बताया कि वह इसी प्रकार अपने अग्रिम कक्षा में बेहतर अंक लाने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

तिरंगे की शान में अधिवक्ता समाज एकजुट, बलिदान के लिए तत्पर राकेश शरण मिश्र का प्रधानमंत्री को पत्र

स्वतंत्र प्रभात

सोनभद्र। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर देश की एकता और अखंडता के प्रति अधिवक्ता समाज की अटूट प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने अपने पत्र में स्पष्ट शब्दों में कहा है कि देश का अधिवक्ता वर्ग तिरंगे की शान के लिए किसी भी प्रकार का बलिदान देने के लिए सदैव तत्पर है। श्री मिश्र ने अपने पत्र में भारत के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में भी अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और देश को आजाद कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। उन्होंने वर्तमान समय में भी देश की अस्मिता और सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि यदि आवश्यकता पड़ती है, तो भारत का प्रत्येक अधिवक्ता राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान करने से भी पीछे नहीं हटेगा।महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि वे जब भी उचित समझें, अधिवक्ता समाज का आह्वान कर सकते हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अधिवक्ताओं को हथियार चलाने और युद्ध कौशल का प्रशिक्षण देकर उन्हें देश की सीमाओं पर भेजा जा सकता है, ताकि वे भारत के दुश्मनों का डटकर मुकाबला कर सकें। अपने पत्र में श्री मिश्र ने प्रधानमंत्री मोदी से यह भी अनुरोध किया है कि वे इस बार भारत के शत्रुओं को ऐसा सबक सिखाएं, जिसे उनकी आने वाली पीढ़ियां सदियों तक याद रखें और भविष्य में भारत पर किसी भी प्रकार का आक्रमण करने से पहले हजार बार सोचें। उन्होंने प्रधानमंत्री को आश्वस्त किया कि देश का हर अधिवक्ता इसके लिए खुशी-खुशी अपना बलिदान देने को तैयार है। राकेश शरण मिश्र ने इस महत्वपूर्ण पत्र की प्रतियां देश के माननीय गृह मंत्री अमित शाह और माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी प्रेषित की हैं, ताकि देश की सुरक्षा और संप्रभुता के प्रति अधिवक्ता समाज के दृढ़ संकल्प से उन्हें भी अवगत कराया जा सके। यह पत्र अधिवक्ता समाज की देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण की एक सशक्त अभिव्यक्ति है।

ऑपरेशन मुस्कान को मिली सफलता, माता-से मिला बच्चा, मां की आंखों से निकले खुशी के आंसू, पिहानी पुलिस की परिजन कर रहे सराहना

हरदोई पिहानी कोतवाली पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत नौ वर्षीय मासूम रेहान को उनके परिजनों से मिलाया। अपने बच्चों के मिलने की खुशी में मां की आंख से आंसू निकल आएं। पुलिस ने रेहान को परिवार के साथ रवाना कर दिया गया है। मोहम्मद रेहान नवादा दादा पार्क दिल्ली से 12 अप्रैल को खेलते समय गुम हो गया था। रेहान की मां मोबिना ने दिल्ली पुलिस को बेटे के गायब हो जाने की सूचना दी थी। काफी खोजबीन के बावजूद रेहान नहीं मिला था। मोबिना मूल निवासी मुजफ्फरनगर की है।पिहानी कोतवाली के अंतर्गत जहानी खेड़ा में गस्त के दौरान कोतवाल विद्यासागर पाल व जहांनी खेड़ा चौकी इंचार्ज विजय कुमार शुक्ला को रेहान लावारिस हालत में टहलते हुए मिला। कोतवाल विद्यासागर पाल अपनी तत्परता व सूझबूझ दिखाते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से जहानी खेड़ा स्थित मुजफ्फरनगर ढाबे पर फोटो वायरल कराई। मासूम रेहान बार-बार मुजफ्फरनगर जाने की बात कह रहा था। सोशल मीडिया के माध्यम से रेहान की मां मोमिना का पता लगाकर पिहानी पुलिस ने परिजनों के सुपुर्द कर दिया।अपने बच्चों को देखकर खुशी में मां की आंखों से आंसू निकल आएं. उनके माता और परिवार बालों ने खुशी का इजहार किया।इसके साथ ही पुलिस की प्रशंसा की।

एसबीआई बैंक से महिला के पर्स से 20 हजार रुपये चोरी, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र के नगराम थाना अन्तर्गत देवीखेड़ा निवासिनी चंद्रावती पत्नी स्वर्गीय अमर सिंह के साथ शुक्रवार को एक चोर ने बड़ी सफाई से हाथ साफ कर दिया। चंद्रावती ने बताया कि वह सुबह लगभग 10 बजे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मोहनलालगंज शाखा गई थीं, जहां उन्होंने चेक के माध्यम से 44,000 रुपये निकाले। बैंक से निकासी के बाद वह पासबुक प्रिंट कराने लगीं।करीब 11 बजे वह ऑटो से अपने घर के लिए रवाना हुईं। दोपहर करीब 12:30 बजे जब वह घर पहुंचीं और पर्स की जांच की, तो देखा कि पर्स में रखी 200-200 रुपये की गड्डी, जिसमें 20,000 रुपये थे, गायब थी। हालांकि, शेष 24,000 रुपये उनके पर्स में सुरक्षित मिले। चंद्रावती का कहना है कि उनके पर्स से किसी अज्ञात व्यक्ति ने पैसे चोरी कर लिए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज कर घटना की गहनता से छानबीन करते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस का कहना है कि बैंक और रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही आरोपी का पता लगाकर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री के नियुक्ति में धांधली का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात

सीखड़- विकास खंड के खैरा ग्राम सभा के टकटकपुर में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के नियुक्ति में धांधली का आरोप गांव के ही रंजना सिंह ने लगाई है। जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री की नियुक्ति में रंजना सिंह ने भी आवेदन किया था। जिसमें उक्त ग्राम पंचायत में दो लोगों के आवेदन मेरिट के आधार पर लिया गया। रंजना सिंह ने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा मेरिट के आधार पर नियुक्ति होनी थी किन्तु अंजना सिंह का हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में मुझसे कम मेरिट होने के वावजूद विभाग द्वारा मेरी नियुक्ति न कर के अंजना सिंह की नियुक्ति कर दी गई है। जबकि हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में अंजना सिंह से अधिक मेरी मेरिट है। वहीं उन्होंने तहसीलदार चुनार को भी प्रार्थना पत्र देकर आय प्रमाण पत्र की जांच कराने की मांग की है। तहसीलदार को दिए गए प्रार्थना पत्र में रंजना सिंह ने आरोप लगाया है कि अंजना सिंह को जो तहसील से आय प्रमाण पत्र जारी किया गया है उसमें 3833.33रूपया मासिक आय जारी किया गया है जबकि अंजना सिंह के पति सी आर पी एफ में कार्यरत हैं। रंजना सिंह ने जिलाधिकारी से जांच करा कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

बोर्ड परीक्षा में अव्वल आए बच्चों को स्कूल में किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ- सरस्वती बाल विद्या मंदिर स्कूल में बोर्ड परीक्षा में अव्वल आए बच्चों को स्कूल की तरफ से सरस्वती प्रतिमा व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। आपको बता दें कि बीते शुक्रवार को दोपहर लगभग साढ़े बारह बजे जारी हुए बोर्ड परीक्षा के परिणाम में सस्पन स्थित सरस्वती बाल विद्या मंदिर स्कूल के बच्चों ने माल ब्लॉक में अच्छे अंक प्राप्त कर विद्यालय सहित माता पिता व अध्यापकों का नाम रोशन किया था।

सोमवार को स्कूल के द्वारा सम्मान समारोह आयोजित हुआ जिसमें दसवीं कक्षा की छात्रा पूजा गौतम ने 600 में से 549 अंक लाकर प्रथम स्थान,प्रांजलि ने 600 में से 536 अंक पाकर द्वितीय स्थान तो वहीं प्रियंका सैनी ने 600 में से 532 अंक लाकर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं का स्कूल प्रबन्धन की तरफ से सरस्वती प्रतिमा भेंट कर व माला पहनाकर सम्मानित किया गया।प्रबन्धक संदीप तिवारी ने कहा कि सभी सम्मानित बच्चों ने कठिन परिश्रम और लगन से विद्यालय में अच्छा प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य विवेक मिश्रा ने कहा कि इन बच्चों की उपलब्धि से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर परिश्रम करना चाहिए।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की रोकथाम हेतु चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा किया गया जागरूकता कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 द्वारा अक्षय तृतीया पर होने वाले संभावित बाल विवाह की रोकथाम हेतु आज जनपद के केन सोसायटी नेहरु डिग्री कालेज, हरदोई सीएसएन कालेज में छात्र-छात्राओं को बाल विवाह की रोकथाम हेतु जागरूक किया गया, कार्यक्रम में चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक अनूप तिवारी ने सभी छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और बताया कि आने वाली 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर बाल विवाह होने की संभावना ज्यादा रहती है जिसको ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा सभी बाल हितधारकों व सम्बंधित विभागों को सख्त निर्देश प्राप्त हुआ कि बाल विवाह को रोके जाने हेतु ज्यादा से ज्यादा जागरूकता की जाए, इसके साथ ही परियोजना समन्वयक अनूप तिवारी ने बताया कि बाल विवाह करना एक अपराध की श्रेणी में आता है जिसके लिए बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 अधिनियम बना है, जिसका उद्देश्य बाल विवाह को अवैध घोषित करना और बाल विवाह में शामिल लोगों को दण्डित करना है, विवाह की न्यूनतम आयु सीमा बालिका की 18 वर्ष व बालक की 21 वर्ष होनी चाहिए, बाल विवाह करने वाले या इसमें मदद करने वाले व्यक्ति को 02 साल तक का कठोर कारावास और 01 लाख रूपये का जुर्माना या दोनों हो सकते है, इसके साथ ही परियोजना समन्वयक ने सभी को जागरूक किया यदि कही बाल विवाह हो रहा है या होने की जानकारी मिलती है तो तुरंत इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर-1098 पर या पुलिस हेल्पलाइन-112 पर दे सकते है, जागरूकता कार्यक्रम में कालेज के प्रधानाचार्य कौशलेन्द्र कुमार सिंह, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक अनूप तिवारी, सुपरवाइजर विभा शुक्ला व केस वर्कर वरुण कुमार आदि मौजूद रहे।

घर से किला घुमने निकाला युवक गंगा में शव उतराया मिला

स्वतंत्र प्रभात

सीखड़। चुनार थाना क्षेत्र के पक्का पुल से गंगा में छलांग लगाकर जान देने वाले युवक की लाश सोमवार को उतराया मिला।शव कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम हेतु मीरजापुर भेजा। प्राप्त जानकारी के अनुसार विशाल राय 18वर्ष पुत्र राजकुमार राय निवासी लक्ष्मीराम पुर थाना कछवा रविवार को घर से चुनार किला देखने की बात कह कर निकला था। और गंगा में छलांग लगा कर अपनी जान दे दी। अदलपुरा चौकी प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि रविवार को चुनार पक्का पुल पर एक मोटरसाइकिल लावारिस हालत में मिली थी। पुलिस मोटरसाइकिल के नंबर के आधार पर घर वालों से संपर्क किया तो बताया गया कि विशाल घर से किला देखने निकाला हुआ था जो देर शाम तक घर वापस नहीं आया। सूचना पर परिजनों ने मौके पर पहुंच कर अपने स्तर से काफी तलाश किया किन्तु विशाल का कही पता चला। सोमवार को संदेह के आधार पर पुलिस ने गंगा में स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश करानी शुरू किया शाम को मेड़िया घाट पर विशाल का शव उतराया मिला। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मीरजापुर भेज दी।

संक्षिप्त खबरें

10 में से 6 दुकानदारों पर ही मिला तम्बाकू बेचने का लाइसेंस

-जुर्माना लगाने के बाद चेतावनी देकर छोडा, आगे होगी कडी कार्यवाही

बिना लाइसेंस तम्बाकू उत्पाद बिक्री करने वाले विक्रेताओं पर जुर्माना लगाते नगर निगम के कर्मचारी।

मथुरा। बिना लाइसेंस तम्बाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ नगर निगम कडी कार्यवाही करेगा। इसके लिए सोमवार को नगर निगम मथुरा वृन्दावन कार्यालय भूतेश्वर के सभागार में तम्बाकू उत्पाद नियंत्रण लाइसेंस उपविधि 2021 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक कार्यशाला का आयोजन सहायक नगर आयुक्त वृन्दावन जोन नगर निगम मथुरा वृन्दावन अनुज कौशिक एवं गोपाल गर्ग नगर स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम मथुरा वृन्दावन की अध्यक्षता में हुआ। जिसमें कहा गया कि तम्बाकू विक्रेताओं ने लाइसेंस नहीं बनवाये है उनके शत प्रतिशत लाइसेंस बनवायें तथा जो तम्बाकू विक्रेता लाइसेंस नहीं बनवाना चाहते है और तम्बाकू बिकी कर रहे है उनके विरुद्ध जुर्माना एवं चालान की कार्यवाही की जाये। तदोपरांन्त नगर निगम मथुरा वृन्दावन की टीम द्वारा तम्बाकू बिकी का लाइसेंस जांच के लिए नगर स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में कृष्णानगर सौख रोड क्षेत्र में 10 तम्बाकू दुकानों का निरीक्षण किया गया जिसमें 6 तम्बाकू दुकानों पर लाइसेंस पाया गया बाकी चार दुकानों पर लाइसेंस नहीं मिला जिसके लिए टीम द्वारा तम्बाकू विक्रेताओं को कड़ी चेतवनी दी गयी व भविष्य में बिना लाइसेंस की तम्बाकू बिकी करने की पुनरावृत्ति पर जुर्माना एवं चालान की कार्यवाही की जाएगी।

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह राजा भैया ने गांव में भ्रमण कर जनता की सुनी समस्याएं

प्राथमिकता के आधार पर हो जनता की समस्याओं का समाधान- केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री

नवाबगंज (गोंडा) प्राथमिकता के आधार पर हो जनता की समस्याओं का समाधान, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने क्षेत्र भ्रमण कर जाना लोगों का हाल,

समस्याएं सुनकर निस्तारण के लिए संबंधित को दिया दिशा निर्देश।सोमवार को केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री गोंडा लोकसभा क्षेत्र के नवाबगंज ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम सभा में भ्रमण किया और लोगों का हाल जाना केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन सरकार गरीब दलित शोषित वंचित के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चला रही है। जिसकी जानकारी होना सभी जनता जनार्दन को आवश्यक है सरकार की योजनाओं का लाभ सभी लोगों को मिलना चाहिए सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा के हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है क्षेत्र भ्रमण के दौरान केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री दुल्लापुर कोल्हमपुर,कटरा भोगचंद, हरवंशपुर रीवा व किशुनदासपुर पहुंचे कोल्हनपुर में भाजपा बूथ अध्यक्ष सुनील चौबे ने, हरिवंशपुर प्रधान दुर्गेश पांडेय ने, रीवा में दिवाकर मौर्य, किशुन दासपुर में अंकित सिंह ने केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री का माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने गांव के आम जनता की समस्या सुनी और निस्तारण के लिए संबंधित को दिशा निर्देश दिया। इस मौके पर विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री, वेद प्रकाश दुबे, कमलेश पांडेय, जनार्दन तिवारी, बाबूलाल शास्त्री, अमरनाथ पांडेय, संतोष सिंह, दुर्गेश पांडेय, राहुल सिंह, अजय पाठक, अंकित सिंह, दिवाकर मौर्य, पिंकू शुक्ल, रत्नेश मिश्र,दिवाकर तिवारी, रतनदेव तिवारी, पुनीत मिश्र,सुभाष यादव,राज बाबू दुबे, पिंकू शुक्ला प्रधान प्रतिनिधि कटरा भोगचंद सुभाष यादव, भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अंकित सिंह, शक्ति केंद्र संयोजक टिकरी अखिलेश त्रिपाठी,संतोष सिंह राजेश चौबे ,रत्नेश मिश्रा हरिवंशपुर प्रधान दुर्गेश पांडे सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारी की उदासीनता के कारण सिंगला नदी पर आरसीसी पुल का मरम्मत कार्य धीमी गति से चल रहा है

● भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा का ध्यान आकर्षित।

असम श्रीभूमि (करिमगंज)मौजूदा सरकार के कार्यकाल में लोगों के हित के विकास योजना के माध्यम से सड़कों, पुलों, निर्माण कार्यो और अन्य परियोजनाओं के लिए करोड़ों रुपये आवंटित किए जा रहे हैं ताकि हर क्षेत्र में विकास हो सके और आम नागरिकों को आवागमन समेत अन्य कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। लेकिन असम श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा के तहत दुल्लभछड़ा पुल का निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है, जबकि अधिकारी सब कुछ जानकर भी चुप हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार इस बड़े पुल के काम में इतनी कम श्रमिकों के साथ, दिन में तीन या चार श्रमिकों के जरिए काम चला रहा है।ठेकेदार की लापरवाही के कारण निर्माण कार्य में अनावश्यक समय बर्बाद हो रहा है और कार्य में देरी हो रही है। लंबे टालमटोल के बाद दुल्लभछ?? सिंगला नदी पर स्थित आरसीसी ब्रिज का काम शुरू किया गया, लेकिन केवल 3-4 श्रमिकों से ब्रिज का डलाइ तोड़ने का कार्य किया जा रहा है, जिससे कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा है। हालांकि नागरिकों की आवाजाही की सुविधा के लिए एक सबवे का निर्माण किया गया है, लेकिन छोटे वाहनों के चालकों को जोखिम के साथ चलना पड़ रहा है। इस पर ब्रिज के दोनों ओर के नागरिकों का मानना है कि मानसून के मौसम में सिंगला नदी का जल स्तर सबवे की स्थिरता के लिए आंशिक है। दूसरी ओर, दुल्लभछड़ा निविया- चेरागी- रंगपुर सहित दुल्लभछड़ा के विशाल क्षेत्र में सैंकड़ों गांवों के लोगों की आवा- जाही का एकमात्र लाइफलाइन यही ब्रिज है, लेकिन आवंटित ठेकेदार के कार्य में लापरवाही के कारण दैनिक यात्री, व्यापारी, वाहन चालक और अन्य लोग नाराज हैं। यदि इसी तरह से सिंगला पुल की मरम्मत का कार्य धीमी गति से चलता रहा, तो आने वाले शुष्क मौसम में दुल्लभछड़ा, निविया चेरागी और रंगपुर में कई विकास कार्य रुक जाएंगे। इस मामले में स्थानीय लोगों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से जांच के माध्यम से उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया।

पहलगाम की घटना" पर प्रतिक्रिया पहलगाम के भीषण आतंकवादी, कायरतापूर्ण हिंसा की जितनी निंदा की जाए कम"

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 28 लोगों की हत्या कर दी गई। अब इस हमले को लेकर जांच काफी तेज गति से जारी है जबकि रिपोर्ट पर हमले में कुल 28 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे. हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की शाखा द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने ली है. जहां इस आतंकवादी संगठन ने बेकसूर लोगों के निर्मम हत्या कर दी, और उन बेकसूर लोगों की हत्या का आक्रोश देश में ज्वाला की तरह भड़कता जा रहा है। जहां इस कायरता पूर्ण हिंसा की चहुं ओर निंदा हो रही है तो दूसरी तरह भारत देश का प्रत्येक व्यक्ति इन आतंकवादियों को कुत्ते की मौत मारने के समर्थन पर देश के साथ खड़े है। और राष्ट्रहित पर उठाए जा रहे हर कदम का पालन करने को भी तैयार हैं। जहां इस आतंकी हमले पर शहडोल जिले अंतर्गत बुढार नगर के कई जनप्रतिनिधियों द्वारा इस घटना पर शोक व्यक्त किया गया है, और आतंकवादियों पर आक्रोशित इन सभी जनप्रतिनिधियों ने सरकार से आतंकियों को नष्ट करने की अपील किए हैं।

बेकसूर लोगों की हत्या निंदनीय- पुष्पेंद्र

वरिष्ठ भाजपा नेता पुष्पेंद्र ताम्रकार ने पहलगाम पर हुए इस आतंकी हमले की घोर निंदा करते हुए उन्होंने कहा है कि इस प्रकार की घटना बेहद निंदनीय हैं और किसी प्रकार से यह घटना क्षम्य नहीं है आतंकियों के इस हरकत को देशवासी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा और हर आंसुओं का बदला देश की जनता लेना चाहती है. केंद्र सरकार से निवेदन है कि लोगों की बेकसूर हत्या का बदला सिर्फ आतंकियों को मिट्टी में मिला देने पर ही पूरा होगा। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवादियों और घुसपैठियों की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है।

आतंकियों को जड़ से खत्म किया

जए- पार्षद पवन चीनी

युवा समाजसेवी पार्षद पवन ग्वालिनी (चीनी) ने बताया कि पहलगाम पर हुआ यह घटना बेहद चौंकाने वाला और दर्दनाक है, जिस प्रकार से हिंदुओं को निशाना बनाकर आतंकियों ने उनकी मृत्यु की है, आतंकियों का यह बेहद घृणित कार्य है। निश्चित ही देश के प्रधानमंत्री , केंद्र सरकार द्वारा इस विषय पर ठोस कदम राष्ट्रहित में हेतु उठा रहे हैं हम सभी भारत देशवासियों को उनका साथ देना चाहिए उनके पक्ष में अपना समर्थन देना चाहिए। आतंकवाद को देश से मिटाना चाहिए।

मकानों पर लाल निशान देख भयभीत हैं फौंडर के ग्रामीण

● बडी संख्या में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे, दिया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। गोवर्धन तहसील का फौंडर एक बडा गांव है। गांव की आबादी अच्छी खासी है। गांव का अधिकांश हिस्सा सडक के किनारे बसा हुआ है। इस समय ग्रामीणों में बेचैनी है। गोवर्धन तहसील के गांव फौंडर में सडक के दौनों और मकान बना कर रहे रहे सैकडों परिवारों की नींद उडी हुई है। लोगों को इस बात की चिंता सता रही है कि उनके मकानों को कभी भी तोडा जा सकता है। जिंदगी भर की महनत से खडा किया गया आशियाना यों आंखों के आगे ध्वस्त हो जाये उन्हें बेचैन कर रहा है। सडक चौड़ीकरण के लिए लोकनिर्माण विभाग ने सडक की हद तय करते हुए मकानों पर लाल निशान लगाये हैं। साथ ही प्लस का निशान लगाते हुए कितना मकान का हिस्सा तोड जाएगये यह भी मीटर में अंकित किया है। जब से माकनों पर यह लाल निशान लगे हैं लोग सो नहीं पा रहे हैं। उन्हें यही चिंता सता रही है कि उनके मकानों को कभी भी ध्वस्त किया जा सकता है। अखिल भारतीय समता फाऊंडेशन समाजसेवी रमेश सैनी के नेतृत्व में ग्राम पंचायत फोड़र ब्लॉक व तहसील गोवर्धन मथुरा के सैकड़ो अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के व अन्य वर्गों के लोग करीब सात दशक से मकान बनाकर स्थाई निवास कर रहे। ग्रामीणों को लोक निर्माण विभाग जनपद मथुरा द्वारा बिना किसी लिखित सूचना अथवा नोटिस दिए सड़क मार्ग चौड़ीकरण के नाम पर अनैतिक ध्वस्तीकरण कर सैकड़ो लोगों को बेघर किए जाने के विरोध में आठ सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय पर सौपा। ग्रामीणों ने बताया की सभी ग्रामीण निर्धन एवं गरीब लोग हैं। जो गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करते हैं। स्थाई रूप से पिछले 60 से 70 वर्षो से ग्राम पंचायत के निवासी हैं और भारत के संवैधानिक नागरिक हैं, बावजूद इसके प्रांतीय लोक निर्माण विभाग मथुरा के अधिकारी, कर्मचारियों ने जबरन बिना कुछ बताएं बिना कुछ नोटिस दिए सड़क चौड़ीकरण के नाम पर मकानों को तोड़ने के लिए ध्वस्तीकरण हेतु निशानदेही कर लाल रंग के निशान लगा दिए हैं। जिससे ग्राम पंचायत फोड़र के निवासी भयभीत और दहशत में हैं। इस मौके पर रमेश सैनी एवं स्थानीय नागरिक जितेंद्र सिंह ने प्रशासन से मांग की प्रभावित लोगों की राहत के लिए इस आदेश को तत्काल वापस लिया जाए। इस मौके पर अध्यक्ष लुकेश कुमार राही ने कहाकि अगर ध्वस्तीकरण का आदेश वापस नहीं लिया गया तो सैकड़ों ग्रामीण परिवार सहित आंदोलन को मजबूर होंगे। जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होंगी। खुले मांग पत्र के दौरान रमेश सैनी, जितेंद्र सिंह, सुघड सिंह, प्रेम सिंह, घनश्याम, सुरेश बाबू, तूफानी, शेर सिंह, रामदास, चंद्रपाल, लखन सिंह, गुरु प्रसाद, केदार सिंह, बनवारी लाल, छिद्दी सिंह, बहोरन, पहलाद सिंह, नेम सिंह, संजय, जगदीश प्रसाद, कोमल प्रसाद, राम खिलाड़ी, दौलत सिंह आदि मौजूद रहे।

फोटो परिचय-जिलाधिकारी कार्यालय पर अपनी समस्या बातने के लिए जुंटे ग्रामीण।

जिलाधिकारी ने निमार्ण कार्य का किया निरीक्षण- मानक के अनुरूप नहीं मिली सड़क, दोबारा सड़क बनाने का दिया निर्देश

● डीएम ने ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित करने का दिया निर्देश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर0 द्वारा सोमवार को विकास खण्ड खेसरहा के ग्राम पंचायत भकहा के पंचायत भवन भकहा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर0 द्वारा ग्राम पंचायत में कराये जा रहे कार्यो की पत्रावली को देखा गया। जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर0 द्वारा सामुदायिक शौचालय कंचनपुर का निरीक्षण किया गया तथा निर्देश दिया कि सामुदायिक शौचालय समय से खुले और ज्यादा से ज्यादा गांव के लोग इसका इस्तेमाल करें। नियमित साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी द्वारा मनरेगा द्वारा कराये गये इंटरलाकिंग कार्य नरेश के घर से जग्गा के घर तक तथा केवला देवी के घर से प्राथमिक विद्यालय तक इंटरलाकिंग सड़क को खुदवाकर देखा गया। दोनों इंटरलाकिंग सड़क मानक के अनुरूप नहीं पाया गया, जिसपर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये ग्राम पंचायत सचिव सतीश कुमार को सस्पेन्ड करने का निर्देश दिया तथा एक सप्ताह के अन्दर दोबारा इंटरलाकिंग सड़क को बनवाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर0 द्वारा अन्नपूर्णा भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा खण्ड विकास अधिकारी को शीघ्र अन्नपूर्णा भवन को जिला पूर्ति अधिकारी को हैण्डओवर कराने का निर्देश दिया, जिससे अगली बार राशन का वितरण अन्नपूर्णा भवन से किया जाये। इसके पश्चात उचित दर राशन की दुकान का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा ई-पास मशीन व स्टाक रजिस्टर का मिलान किया गया। जिलाधिकारी ने कोटेदार को लाभार्थियों को पूरा व सही मात्रा में राशन का वितरण कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान खण्ड विकास अधिकारी खेसरहा व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पूरा विपक्ष सरकार के हर फैसले मे साथ है: प्रदीप मथुरा

मथुरा। पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद हुए देश के सपूतों की आत्म शांति के लिए महानगर कांग्रेस मथुरा द्वारा होली गेट से विकास बाजार तक कैंडल मार्च निकाला गया। होली गेट से विकास वाजार तक कांग्रेस जन पाकिस्तान मुर्दावाद आतंक बाद मुर्दाबाद के नारे लगाते चल रहे थे। विकास बाजार स्थित गांधी जी की प्रतिभा के समक्ष कैंडल जलाकर शहीदों की आत्म शांति के लिए दो मिनट का मोन रखा गया। महानगर अध्यक्ष पं यतेंद्र मुकद्दम ने कहा कि जिस कायराना तरीके से बेकसूर निहात्थे देशवासियो को पहलगाम मे टारगेट कर बर्वरता से मारा गया उससे पुरे देश मे आक्रोश है 140 करोड़ देशवासी एक है और अब आतंक का खात्मा चाहता है। पूर्व सीएलपी लीडर विधायक प्रदीप माथुर ने कहा कि पूरा विपक्ष सरकार के हर फैसले मे साथ है। पर गृह मंत्री को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा जरूर देना चाहिए। मार्च मे उपस्थित रहे श्रीपूर्व अध्यक्ष आबिद हुसैन, संजय शर्मा, मलिक अरोड़ा, विनेश सानवल, कांग्रेस सेवादल प्रदेश सचिव प्रकाश शर्मा, महानगर अध्यक्ष कांग्रेस सेवादल मथुरा पंडित दीपक पाठक, राहुल अरोरा, प्रवीण ठाकुर, वरुण अरोरा, शिखा चौधरी, अशोक शर्मा, विष्णु राजपूत, अब्दुल कलाम, दुर्गेश बघेल, हरीश पचौरी, चंद्र मोहन जायसवाल, अर्पित जादौन, अनूप गौतम, तपेश गौतम, आशुतोष जेटली, मुकेश गोयल, राजू फारुकी, अनवर फारुकी, देवेंद्र लल्ला, राहुल चतुर्वेदी, अमित पंडित, अजय सक्सेना, राहुल मुकदम, सकीर अली, चांद पहलवान, रितेश सानवल, नीरज वाल्मिकी, वीरू माहौर, राहुल कुरैशी, हाशिम हुमेर, गुड्डू कुरैसी, नरेन्द्र कुमार, प्रमोद यादव, अजय यादव, आसिफ कुरैशी, काशान रिज़वी, सोमिल कुलश्रेष्ठ, संजीव शर्मा, दीपक मौर्य, खुदा बख्श, गंगाराम मौर्य आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

आग पर काबू पाते दमकलकर्मी।

मथुरा। सोमवार को सौंख कस्बा के सीमेंट रोड स्थित एक मकान में आग लग जाने से अफरा तफरी मच गई। मकान स्वामी किसी कार्यक्रम में सहभागिता के लिए गए हुए थे। पड़ोसियों ने यह जानकारी मकान स्वामी को दी तो वह मौके पर पहुंचे। आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। लाखों रुपए के नुकसान की आशंका व्यक्त की जा रही है। कस्बा के सीमेंट रोड पर श्रीचन्द अग्रवाल का मकान है। जिसमें वह अपने बेटों के परिवार के साथ रहते हैं। सोमवार को परिवार में एक कार्यक्रम था। परिजन कार्यक्रम में भाग लेने को गए हुए थे। तभी अज्ञात कारणों से मकान में आग लग गई। बंद मकान से धुंआ उठता देखकर पड़ोसियों ने मकान स्वामी को सूचित किया। जब तक मकान स्वामी पहुंचते तब तक आग विकराल हो गई। सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। इस बारे में कुंज बिहारी अग्रवाल ने बताया कि मकान में किसी कारणवश आग लग गई थी। लाखों रुपए का नुकसान हो गया है। क्षेत्रीय लेखपाल भी मौके पर पहुंचे और नुकसान का आंकलन किया है।

दिल्ली पुलिस ने हत्या के प्रयास में शामिल आरोपी को गिरफ्तार किया

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली उत्तर-पूर्वी जिले के थाना खजूरी खास की टीम द्वारा एक कुख्यात अपराधी की गिरफ्तारी से हत्या के प्रयास के मामले का खुलासा हुआ, वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद 7 पुलिस को दिनांक 24 अप्रैल को लगभग रात 9:45 बजे थाना खजूरी खास में खजूरी चौक के पास चाकू मारने की घटना की सूचना प्राप्त हुई। जांच करने पर पता चला कि दो पीड़ित, इकराम पुत्र मेहदी हसन, निवासी मकान संख्या 960, गली नंबर 19, ए ब्लॉक, खजूरी खास, दिल्ली-94 और शहजाद पुत्र कमरुद्दीन, निवासी बी ब्लॉक, गली नंबर 11, एसआर कॉलोनी, खजूरी खास, दिल्ली-94, अपनी-अपनी टैक्सियों (मारुति अर्टिगा एवं होंडा अमेज़) में यात्रा कर रहे थे। जब वे पुराने थाना कट के पास पहुंचे, तो उनकी कारें एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार से टकरा गईं। इस पर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जिसके बाद बाइक सवारों ने इकराम और शहजाद पर हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए।इस संबंध में थाना खजूरी खास में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109/3(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान इंस्पेक्टर राकेश यादव, थानाध्यक्ष खजूरी खास के नेतृत्व में स्ढ्ढ केशव, HCs शुएब, प्रताप, कांस्टेबल मुकेश और अनुज की एक विशेष टीम का गठन किया गया। हरेश्वर वी. स्वामी, आईपीएस, उपायुक्त पुलिस/उत्तर-पूर्व जिला, के मार्गदर्शन में टीम ने तकनीकी निगरानी शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को गहनता से खंगाला। टीम ने मानवीय स्रोतों के माध्यम से भी सुराग और साक्ष्य एकत्र किए।संग्रहित साक्ष्यों के आधार पर टीम ने वारदात में शामिल संदिग्ध आरोपियों की पहचान कर एक आरोपी जय कुमार उर्फ अनुज, उम्र 23 वर्ष, पुत्र लक्ष्मण, निवासी गली नंबर 9, शिव विहार, दिल्ली को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया।पूछताछ के दौरान आरोपी जय कुमार ने अपराध में अपने एक सहयोगी की भूमिका का भी खुलासा किया। विस्तृत सत्यापन में पाया गया कि आरोपी जय कुमार पूर्व में हत्या, ड्यूटी पर तैनात सरकारी कर्मचारी पर हमला तथा आर्म्स एक्ट जैसे 5 मामलों में संलिप्त रहा है। उसकी अन्य आपराधिक संलिप्तताओं का भी पता लगाया जा रहा है तथा उसके सहयोगी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।

साकेत में हजारों लोगों ने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ रविवार को दिल्ली में अनेक हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। आतंकियों ने 28 पर्यटकों पर हमला किया था। आतंकियों ने धर्म पूछकर हिंदुओं को निशाना बनाया। उन्हें कलमा पढ़ने को कहा और गोलियों से भून दिया गया। इस करतापूर्ण घटना का विरोध पूरे देश भर में हो रहा है। लोग देश भर में प्रदर्शन करके पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। इसी कड़ी में समस्त हिंदू समाज द्वारा साकेत पीवीआर पर भव्य प्रदर्शन करके पाकिस्तान का पुतला फूंका गया। इस आतंकी हमले के विरोध में रविवार की शाम साकेत नगर के मुख्य मार्गो से त्रिवेणी आक्रोश मार्च निकाला गया। मार्च की शुरुआत राधा कृष्ण विद्या निकेतन पुष्प विहार सेक्टर 3, शिव मंदिर पुष्प विहार सेक्टर 1 और लाडो सराय गांव से होते हुए डी ब्लॉक साकेत पर तीनों मार्चो का एक त्रिवेणी संगम बना और अंतिम स्थान अनुपम पीवीआर साकेत पहुंचकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के पुतले को महिलाओं ने जूते मारकर जलाया। बैनर और तख्ती लेकर लोगों ने मार्च किया और पाकिस्तान मुर्दाबाद, हिंदुस्तान मांगे बदला, न राज्य पूछा, न भाषा पूछा, ना जाति पूछा केवल धर्म पूछा, आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता आदि के नारे लगाये । इसमें साकेत नगर के युवा, सामाजिक कार्यकर्ता, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद, भाजपा कार्यकर्ता आदि शामिल हुए । मौके पर लोगों ने 28 पर्यटकों की हत्या की घोर निंदा की। कालका जी जिला प्रचार प्रमुख विजय कुमार ने बताया कि 1000 से अधिक लोगों ने इस प्रदर्शन में भाग लिया।

आक्रोश मार्च रेसिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन लाडो सराय के अध्यक्ष देवेंद्र सेजवाल के निर्देशन में निकाला गया। और प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से निर्णायक कार्रवाई की मांग की गई। सभी लोगों ने सरकार से सर्जिकल स्ट्राइक करने की मांग की और लोगों ने कहा कि यह बार-बार मानवता को कलंकित करने वाली घटना है। इस कायराना और बर्बर हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने की जरूरत है। इस प्रदर्शन के आयोजकों में से एक अतुल जी ने कहा कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है, और ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जब-जब आतंकवादी घटनाएं होती है तब देखा जाता है कि एक धर्म विशेष के लोग इन घटनाओं में शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में हिंदुओं को एक दूसरे का सम्मान करना होगा। इसके अलावा हिंदुओं को एक वर्ग विशेष का आर्थिक बहिष्कार करना होगा

और कोई भी वस्तु हिंदू उन लोगों से ना खरीदें। आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार और आम लोगों को मिलकर ठोस कदम उठाने होंगे। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि जेहादी कट्टरपंथियों द्वारा यह हिंदुओं पर किया गया हमला है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस्लामिक जिहाद और पाकिस्तान समर्थित आतंकियों पर कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा लोगों ने कहा कि कश्मीर में मजहबी आतंकवाद का समूल नाश भारत सरकार को करना होगा। बाजार और क्षेत्र के युवाओं ने जमकर आक्रोश दिखाया। त्रिवेणी मार्च का अंतिम श्रद्धांजलि सभा और श्रद्धासुमन अर्पित करके श्री हनुमान चालीसा के पाठ कर किया गया। उनके परिजनों के लिए गहरी शोक संवेदना व्यक्त की गयी। साकेत नगर के इस आक्रोश मार्च में नगर कार्यवाह अतुल और आर डब्लू ए, धार्मिक संगठन, मंदिर समिति, बीजेपी, वीएचपी, बजरंग दल के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

कल अक्षय तृतिया पर उमडेगी भीड, प्रशासन ने तैयारियां कीं पूर्ण

● वृंदावन को तीन जोन, नौ सेक्टर में किया गया विभाजित

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। बुधवार को अक्षय तृतिया का पर्व मनाया जाएगा। इस अवसर पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु आएंगे। अधिक भीड वृंदावन में रहेगी। इस दिन ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में भीड का दबाव बहुंत अधिक रहता है। साल भर में अक्षय तृतिया पर ही ठाकुर जी के चरण दर्षन होते हैं। भीड के दबाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिमरूप दिया है। ट्रेफिक और पार्किंग प्लान जारी किया गया है जिससे कि बहार से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेंशानी का सामना न करना पडे। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर और आसपास के क्षेत्र को तीन जोन और नौ सेक्टर में विभाजित किया गया है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। सोमवार को जिलाधिकारी सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार नेइपुलिस बल के साथ आगामी त्यौहार अक्षय तृतीया त्यौहार के संबंध में वृंदावन स्थित मोहन बाग में श्री बांके बिहारी मन्दिर सेवायतों के साथ मीटिंग की। मन्दिर परिसर व आस पास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया एवं सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। एसएसपी मथुरा श्लोक कुमार ने बताया कि 30 अप्रैलल को अक्षय तृतिया का त्योहार मनाया जाना है। इस अवसर पर लाखों श्रद्धालुं आते हैं। ठाकुर बांकेबिहरी मंदिर और आसपास के क्षेत्र को तीन जोन और नौ सेक्टर में बांटा गया है। प्रदेश और जनपद के बाहर से भी काफी संख्या में श्रद्धालुं आते हैं। ट्रेफिक प्लान तैयार किया गया है जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो। एलआईयू को सक्रिय किया

अक्षय तृतिया पर्व के लिए की जा रहीं तैयारियों को परखते जिलाधिकारी सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार।

गया है। पूर्व से ही अलर्ट किया गया है। जनपदीय पुलिस के अलावा रेंज और जोन से भी पुलिस बल प्राप्त हुआ है। पीएसी, फ्लड पीएसी भी प्राप्त हुई है। यमुना के घाटों और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को लगाया गया है। जो बाहर से ट्रेफिक आता है, प्रदेश और जनपद के बाहर से भी बडी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। उनके लिए ट्रेफिक और पार्किंग प्लान तैयार किया गया है।

दर्जनों संगठनों ने एक साथ किया एक मई को मथुरा बंद करने का ऐलान

● सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर मथुरा में बंद को सफल बनाने के लिए हुई बैठक

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। दर्जनों संगठनों ने एक साथ एक मई को मथुरा बंद का ऐलान किया है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा धर्म पूछ कर पहलगाम में किए गए नर संहार के विरोध स्वरूप विश्व हिंदू परिषद के तत्वाधान में संघ विचार परिवार सहित अनेकों राष्ट्रवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं की बैठक स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर मथुरा में संपन्न हुई जिसमें निर्णय लिया गया कि आगामी 1 मई को मथुरा में बन्द रखा जाएगा। बैठक में वक्ताओं ने आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले की घोर निंदा करते हुए भारत सरकार से आग्रह किय। कि वह शीघ्र से शीघ्र आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट करके पाकिस्तान को करारा जवाब दे। वक्ताओं ने कहा कि आतंकवादीयो द्वारा किया गया यह हमला भारत की आत्मा पर सीधा हमला है। यह देश को अस्थिर करने की साजिश है। एक और जहां देश विकसितता और सशक्तता की ओर बढ़ रहा है वही राष्ट्र विरोधी ताकत है उसको नष्ट करने में लगी हैं, जिसे भारत का सामान्य समाज किसी भी दशा में स्वीकार नहीं करेगा। बैठक में इस घटना के आक्रोश स्वरूप सभी सामाजिक, राष्ट्रवादी एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा 1 मई गुरुवार को मथुरा बाजार बंद का निर्णय लेते हुए समस्त दुकानदारों एवं व्यापारी भाइयों से आह्वान किया गया कि वह राष्ट्रहित में बाजार बंद कर देश का सच्चा नागरिक होने का परिचय दें। बैठक में एक मई को बाजार बंद का आह्वान करने वालों संगठनों में सर्राफा कमेटी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, नगर उद्योग व्यापार मंडल ,होली दरवाजा व्यवसाई समिती, बजरंग दल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हिंदू जागरण मंच,अधिवक्ता परिषद, लघु उद्योग भारती,भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्र सेविका समिति, भारत विकास परिषद,हिंदू महासभा

सहित अनेक संगठन प्रमुख रूप से थे। बैठक में भाजपा विद्यायक श्रीकांत शर्मा, हिंदूवादी नेता गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, विहिप संगठन मंत्री राजेश कुमार, उमाकांत, सह विभाग कार्यवाह डा संजय, कन्हैयालाल अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, हिजम से सुरेन्द्र कौशिक, विद्यार्थी परिषद संगठन मंत्री दिव्यांशु, अमन पांडे, गोकुलेश गौतम सहित सैकड़ों राष्ट्रवादी कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक में गणगीत श्रीओम ने तथा संचालन महानगर कार्यवाह विजय बंटा सर्राफ ने किया।